CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 69 ता. 06 सितम्बर 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो । 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केरल में कोरोना के बीच एक और खतरा- निपाह वायरस ने ली 12 साल के बच्चे की जान, केंद्र ने भेजी टीम

केरल में एक साथ दो-दो वायरस लोगों की जान ले रहे हैं। लोग कोरोना के साथ-साथ निपाह वायरस के शिकार हो रहे हैं। एक साथ दो वायरसों के कहर से डॉक्टर और विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। आज सुबह-सुबह निपाह वायरस से एक मासूम की मौत हो गई।

नई दिल्ली। केरल में एक ओर कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। वहीं, दूसरी ओर निपाह वायरस भी पैर पसार रहा है। कोझीकोड में आज तड़के निपाह वायरस से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। 3 सिंतबर को बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रही थी। शनिवार को बच्चे को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में दाखिल कराया गया।रविवार सुबह पांच बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया । वहीं, निपाह वायरस से बच्चे की मौत के बाद केंद्र की एक टीम कोझीकोड पहुंच गई है।

पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने निपाह वायरस से बच्चे की मौत की पुष्टि की है। इंस्टीट्यूट ने बताया कि बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव

पाई गई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि 12 वर्षीय लड़के को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर एक मेडिकल कॉलेज लाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

कोझीकोड पहुंच रहीं स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि बच्चे के अलावा परिवार के किसी सदस्यों में ऐसा लक्ष्ण नहीं पाया गया है। फिलहाल सभी को क्वारंटाइन में रहने को कहा गया है। इसी सिलसिले में मैं और मंत्री पीए मोहम्मद रियास रविवार को कोझीकोड जा रहे हैं।

कितना खतरनाक है निपाह वायरस-मरीजों को निपाह वायरस की चपेट में आने के बाद मरीजों को सांस लेने में परेशानी शुरू हो जाती है। साथ ही तेज बुखार भी आ सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो इस वायरस की चपेट में आने से 50-75 फीसदी मरीजों की मौत होने की संभावना रहती है। जब इस वायरस का संक्रमण पहली बार फैला था, तब 250 से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आए थे और इनमें से अस्पतालों में भर्ती करीब 40 फीसदी मरीजों को गंभीर बीमारी हुई थी और उनकी मौत हो गई थी।

केंद्रीय कर्मियों को ऑफिस में रोज मिलेगा पांच मिनट का 'योगा ब्रेक'

नई दिल्ली। अब सभी केंद्रीय कर्मचारियों को अपने ऑफिसों में रोजाना पांच मिनट का योगा ब्रेक या 'वाई-ब्रेक' मिला करेगा ताकि वे कार्यस्थल पर तनावमुक्त और तरोताजा होकर नए दमखम के साथ अपने काम पर ध्यान लगा सकें। इसके लिए कार्मिक मंत्रालय ने सभी विभागों को आदेश भी जारी कर दिया है। दरअसल केंद्रीय आयुष मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने 2019 में कर्मचारियों को तरोताजा करने की मुहिम के तहत वाई-ब्रेक के नाम से पांच मिनट का योगा प्रोटोकॉल डिजाइन किया था। इस मॉड्यूल को जनवरी, 2020 में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर छह मेट्रो शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलूरू, हैदराबाद और कोलकाता में लागू किया गया। कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, इसके बेहतर फीडबैक मिले हैं। इसके चलते हाल ही में आयुष मंत्रालय ने एक एंड्रॉयड मोबाइल एप वाई-ब्रेक को आम जनता के लिए भी लांच किया है।

बारिश से फिर भीगेगी दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, उत्तराखंड सहित इन राज्यों के लिए अलर्ट

नई दिल्ली। भारी बारिश के चलते देश का मौसम सुहाना हो चुका है। पिछ्ले दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते एक तरफ उत्तर भारत के लोगों को गर्मी से राहत मिली है तो वहीं कई राज्यों में बाढ़ से तबाही मची हुई है। पिछ्ले दिनों दिल्ली-एनसीआर में हुई मूसलाधार बारिश के बाद जगह-जगह जलभराव हो गया, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, आज भी दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के आसार हैं। सोमवार से अगले पांच दिनों लिए यहां पर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल की खाड़ी में मौसमी सक्रियता बढ़ी

दरअसल, बंगाल की खाड़ी में मौसमी सक्रियता बढ़ गई है, जिसके चलते देश के कई इलाकों में मानसूनी बारिश की संभावना बढ़ गई है। चक्रवाती गतिविधियां सक्रिय हैं। माना जा रहा है कि कल यानी 6 सितंबर से उत्तर-मध्य बंगाल की खाड़ी में निम्न दवाब का क्षेत्र विकसीत हो सकता है। ऐसे में दक्षिण से लेकर उत्तर भारत में झमाझम बारिश का अलर्ट है।

बिहार में इस वक्त भारी बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ आई हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से बाढ़ प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता देने का भी एलान किया है। वहीं यहां पर बारिश का अलर्ट लगातार जारी किया जा रहा है। आज यानी 5 सितंबर से एक बार फिर से यहां पर तेज बारिश का सिलसिला शुरू होगा। वहीं राजधानी पटना में भी मौसम बदलेगा।

मॉडल पुलिस विधेयक बनाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर पुलिस व्यवस्था को पारदर्शी, स्वतंत्र, जवाबदेह और लोगों के अनुकूल बनाने के लिए एक 'मॉडल पुलिस विधेयक' बनाने की की मांग की गई है।

वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में केंद्र सरकार को एक न्यायिक आयोग या एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई है जो विकसित देशों विशेष रूप से अमेरिका, सिंगापुर और फ्रांस के पुलिस अधिनियम का परीक्षण करे और मसौदा तैयार करे। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि विधि आयोग को पुलिस प्रणाली को कुशल व प्रभावी बनाने के लिए

वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में केंद्र सरकार को एक न्यायिक आयोग या एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई है जो विकसित देशों विशेष रूप से अमेरिका, सिंगापुर और फ्रांस के पुलिस अधिनियम का परीक्षण करे और मसौदा तैयार करे।

विभिन्न देशों के पुलिस अधिनियमों का परीक्षण कर विधेयक का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया जाए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 1990 में कश्मीर में हत्याएं न केवल रात के अंधेरे में हुई बल्कि दिन के उजाले में भी हुई क्योंकि हमारे पास शासक की पुलिस है न कि लोगों की पुलिस। याचिका पर आने वाले दिनों में सुनवाई होने की उम्मीद है।

सरकार ने कैंसर, डायबिटीज और टीबी समेत 39 दवाओं की कीमत घटाई

नई दिल्ली। आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलइएम) में संशोधन करते हुए केंद्र सरकार ने आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली 39 दवाओं की कीमतें कम कर दी हैं। जिन दवाओं की कीमतों में कटौती की गई है उनमें कैंसर-रोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल, एंटीरेट्रोवायरल, टीबी-रोधी दवाओं के अलावा दूसरी दवाएं भी शामिल हैं, जिनका कोविड के उपचार में इस्तेमाल किया जाता है।

16 आड दवाओं को सूची से हटाया

एनएलइएम सूची पर काम कर रहे विशेषज्ञों ने 16 आड दवाओं को सूची से हटा दिया है। इंडियन मेडिकल रिसर्च काउंसिल (आइसीएमआर) दवाओं की कीमत पर नियंत्रण करने के लिए लंबे समय से काम कर रही है।

इन दवाओं को मूल्य कैप के तहत लाया गया

आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं, जिन्हें मूल्य कैप के तहत लाया गया है, उनमें शुगर रोधी दवा टेनेलिगलिप्टिन, लोकप्रिय टीबी-रोधी दवाएं, कोविड के उपचार में उपयोग की जाने वाली आइवरमेक्टिन, रोटावायरस वैक्सीन एवं अन्य शामिल हैं।

स्थायी राष्ट्रीय समिति को सौंपा गया था सूची बनाने का काम

सरकार ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में संशोधन के लिए कार्य शुरू किया था जिसे 2015 में अधिसूचित किया गया और 2016 में लागू किया गया। दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति को यह सूची तैयार करने का काम सौंपा गया था कि कौन सी दवाएं पर्याप्त संख्या में और सुनिश्चित मात्रा में उपलब्ध होनी चाहिए।

ऐसे होता है दवाओं को मूल्य कैप का निर्धारण

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आइसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव की अध्यक्षता वाली समिति, नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों, स्वास्थ्य सचिव और फार्मास्युटिकल विभाग के सचिव वाली दूसरी समिति को सूची भेजती है। दूसरी समिति यह तय करती है कि किन दवाओं को मूल्य कैप के अंतर्गत रखा जाएगा।

देश के विकास के लिए बढ़ती जनसंख्या पर काबू पाना जरूरी

वन चाइल्ड पॉलिसी लागू होनी चाहिए

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास आठवले ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर मोदी सरकार को सलाह दी है। उन्होंने शनिवार को कहा कि देश के विकास के लिए देश की बढ़ती जनसंख्या पर काबू पाना बहुत जरूरी है। इसके लिए उनकी पार्टी वन चाइल्ड पॉलिसी का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए आबादी को नियंत्रित करने की जरूरत है, चाहे वह हिंदुओं की आबादी हो या मुसलमानों की। उन्होंने कहा कि यदि हम एक परिवार एक बच्चा की नीति अपनाते हैं तो हम आबादी कम कर पाएंगे। अभी हम दो, हमारे दो की नीति है। हमारी पार्टी मानती है कि आबादी घटाने के लिए हम दो हमारा एक (एक परिवार, एक बच्चा) कानून बने। आठवले ने कहा कि वह पीएम मोदी के सामने भी जल्द इस मुद्दे को उठाएंगे। देश में तभी तक संविधान और धर्मनिरपेक्षता रहेगी, जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं, गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल के इस बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में आठवले ने कहा कि हिंदुओं की संख्या कम होने की कोई संभावना ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं नहीं मानता कि हिंदुओं की संख्या कम होने का कोई सवाल है। हिंदू हिंदू ही रहते हैं और मुस्लिम मुस्लिम ही रहते हैं। मुश्किल से एक या दो हिंदू या मुस्लिम धर्म बदलते हैं। संविधान लोगों को वह करने की आजादी देता है, जो उन्हें पसंद हैं, कोई जबरन धर्मांतरण नहीं करा सकता है। उन्होंने कहा कि हिंदू या मुस्लिम आबादी अनुपात में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

कोविड-19-भारत कोरोना टीकों पर पेटेंट छूट को लेकर जल्द चाहता है फैसला

नई दिल्ली। भारत ने कोरोना टीकों और चिकित्सकीय व नैदानिक उपकरणों से जुड़े अपने ट्रिप्स वेवर (पेटेंट छूट) प्रस्ताव पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से जल्द निर्णय चाहता है। सरकार की तरफ से शनिवार को बताया गया कि केंद्रीय उद्योग व व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स देशों के वाणिज्य व वित्त मंत्रियों की बैठक में इस प्रस्ताव पर जल्द फैसले लेने की जरूरत पर जोर दिया। गोयल ने शुक्रवार को आयोजित इस बैठक में टीकों पर पेटेंट छूट पर जल्द फैसले के अलावा खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए पब्लिक स्टॉक होल्डिंग प्रोग्राम के लिए एक स्थायी, पर्याप्त और न्यायसंगत समाधान की आवश्यकता पर भी जोर

दिया।

उन्होंने डाटा संरक्षण व साइबर सुरक्षा चुनौनियों का समाधान खोजते हुए तेजी से बदल रही दुनिया में उभरती नई तकनीकों के उपयोग की भी वकालत की। साथ ही टिकाऊ खपत व उत्पादन पैटर्न को सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

भारत व द. अफ्रीका ने रखा है टीकों से पेटेंट हटाने का प्रस्ताव

भारत और दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल अक्तूबर में डब्ल्यूटीओ को एक प्रस्ताव दिया था, जिसमें कोविड-19 (कोरोना वायरस) महामारी को रोकने या इसके उपचार से जुड़ी चीजों पर ट्रिप्स एग्रीमेंट के कुछ प्रावधानों में छूट दिए जाने का आग्रह किया गया था। इस साल मई में भारत, दक्षिण अफ्रीका व इंडोनेशिया के साथ 62 सह प्रायोजकों ने एक संशोधित प्रस्ताव डब्ल्यूटीओ के सामने रखा था।

इस प्रस्ताव पर अभी तक निर्णायक फैसला नहीं हो सका है। पेटेंट छूट मिलने की स्थिति में सभी तरह के उपलब्ध टीकों, दवाइयों और संबंधित उपकरणों का निर्माण किसी भी देश की कोई भी कंपनी कर सकेगी। भारत और अफ्रीका का कहना है कि ऐसा होने पर जल्द से जल्द ज्यादा मात्रा में दवाइयां व टीके उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे गरीब देशों में भी टीकाकरण अभियान तेजी से चलाकर इस महामारी को खत्म किया जा सकेगा।

हर साल बाढ़ से होती है तबाही, सरकार के पास केवल 500 करोड़ का बजट

नई दिल्ली। हर साल भारी बारिश और बाढ़ से तबाही झेल रहे देश के पास बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त धन ही नहीं है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के पास बाढ़ प्रबंधन कार्यों का सालाना बजट महज 500 करोड़ रुपये है, जोआवश्यकताओं की तुलना में बेहद कम है। इतना ही नहीं सरकार ने बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए 11वीं योजना के तुलना में 12वीं योजना की केंद्र-राज्य हिस्सेदारी को भी काफी बदल दिया है, जिससे राज्यों को केंद्र से मिलने वाले धन में और ज्यादा कमी आ गई है। देश के विभिन्न हिस्सों में हर साल भारी बाढ़ आती है और व्यापक तबाही होती है। ऐसे में यह मुद्दा हर साल उठता भी है और बाद में ठंडा भी पड़ जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार के बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों को भारी आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है।

संसदीय स्थायी समिति ने गहरी चिंता जताई

जल शक्ति मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति ने इन हालातों पर गहरी चिंता जताई है। समिति ने मंत्रालय से आग्रह किया है कि वह पर्याप्त बजटीय आवंटन के लिए वित्त मंत्रालय के सामने दृढ़ता से प्रयास करे। साथ ही नीति आयोग से आग्रह कर बाढ़ प्रबंधन योजनाओं के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मौजूदा फंड शेयरिंग पैटर्न को भी संशोधित करने को कहे। इसके अलावा, अलग से वित्तपोषण बढ़ाने की संभावनाओं को भी तलाशे। संसदीय समिति ने वित्त पोषण के केंद्रीय हिस्से को कम करने पर भी अपनी चिंता जताई है। खासकर बिहार जैसे गरीब राज्यों जो नेपाल और अन्य प्रमुख बाढ़ प्रभावित राज्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा

साझा करते हैं। संसदीय समिति का मानना है कि हर साल बाढ़ से होने वाली बड़ी हानि और क्षति खराब योजना, बाढ़ नियंत्रण नीति और उपायों की विफलता, अपर्याप्त तैयारी और अप्रभावी आपदा प्रबंधन के संकेत हैं।

समिति ने मंत्रालय से आग्रह किया है कि वह पर्याप्त बजटीय आवंटन के लिए वित्त मंत्रालय के सामने दृढ़ता से प्रयास करे।

राज्यों की धन की हिस्सेदारी में बदलाव से बढ़ीं और दिक्कतें-गौरतलब है कि 11वीं योजना के दौरान बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम को 8,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लागू किया गया था। विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए फंडिंग का पैटर्न 90 फीसदी केंद्र और दस फीसदी राज्य का रखा गया था। सामान्य और गैर विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए यह पैटर्न 75 फीसदी केंद्र और 25 फीसदी राज्य का था। 12वीं योजना में यह कार्यक्रम जारी रहा लेकिन विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए इसे बदलकर 70 फीसदी केंद्र और 30 फीसदी राज्य कर दिया गया। सामान्य राज्यों के लिए भी संशोधित कर से 50-50 फीसदी कर दिया गया। इससे राज्यों को मिलने वाले धन में और ज्यादा कमी आ गई।

अब तक लाखों करोड़ रुपये का नुकसान-देश में हर साल भारी बाढ़ आती है। साल 1953 से 2018 के बीच फसलों, घरों और सार्वजनिक संस्थापनाओं को कुल चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। इस अवधि के दौरान एक लाख नौ हजार से ज्यादा लोगों की जानें गईं और 61 लाख से ज्यादा मवेशी की जान गई।

CMYK

सार समाचार

कोयला तस्करी केस में ईडी के सामने पेश हो सकते है टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी सोमवार 6 सितंबर को ईडी प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हो सकते है। एक हिंदी मीडिया चैनल के खबर के मुताबिक, ईडी ने अभिषेक को कोयला तस्करी के मामले की जांच के सिलसिले में समन भेजा है। अभिषेक की पत्नी को भी ईडी के सामने पेश होने को कहा गया है लेकिन कोरोना का हवाला देते हुए पत्नी से उनके आवास पर ही पूछताछ करने का अनुरोध किया है। अभिषेक रविवार शाम को कोलकाता से दिल्ली रवाना होंगे। ईडी घोटाले में धनशोधन के पहलू की जांच कर रही है। जानकारी के लिए बता दें कि, ईडी ने इस साल की शुरूआत में इस केस को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी तथा उनकी पत्नी को पूछताछ के लिए तलब किया है। टीएमसी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए , राजनीतिक बदले की भावना को देखते हुए अभिषेक पर यह कार्रवाई की जा रही है। साथ ही कहा कि, अभिषेक कानून का पालन करेंगे। इससे पहले 28 अगस्त को ईडी ने अभिषेक को नोटिस भेजा था।

जनसंख्या नियंत्रण कानून के पक्ष में रामदास अठावले, कहा- देश में 'हम दो, हमारे एक' की होनी चाहिए नीति

देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख रामदास अठावले ने इस पर अपनी राय रखी है। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर अपनी राय रखते हुए रामदास अठावले ने कहा कि हमें अपने देश की बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने की जरूरत है। 'एक परिवार, एक बच्चा' नीति से जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सकता है। हमारी पार्टी का मानना है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए 'हम दो हमारा एक' नीति होनी चाहिए। रामदास अठावले ने साफ तौर पर कहा कि उनकी पार्टी जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने के लिए जल्दी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने एक प्रस्ताव रखेगी। गुजरात दौरे पर गए रामदास अठावले से जब अहमदाबाद में उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की हिंदुओं के अल्पसंख्यक होने की टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह गुजरात के उपमुख्यमंत्री का अपना बयान हो सकता है। मेरा मानना है कि हिंदुओं के अल्पसंख्यक होने का देश में कोई सवाल ही नहीं है।

आगरा में खतरनाक स्वास्थ्य स्थिति दो देखते हुए योगी सरकार ने कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

आगरा। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में डेंगू, वायरल बुखार और कुछ अनिर्दिष्ट बीमारी के मामलों में खतरनाक वृद्धि के बाद राज्य सरकार के आधा दर्जन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। मथुरा और आगरा में भी कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। फिरोजाबाद में स्थानीय निकाय की साफ-सफाई की उपेक्षा के बाद भारी आलोचना हुई है। एक स्थानीय राजनेता ने कहा, पिछले दस दिनों में मामले बढ़ने के बाद, एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है, लेकिन नतीजे दिखने में हफ्तों लगेंगे। आगरा के जिलाधिकारी पी.एन. सिंह ने स्वास्थ्य विभाग को मच्छर जनित बीमारियों के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। कई टीमों के इलाकों का दौरा करने के बाद आगरा नगर निगम ने 250 से अधिक घरों को नोटिस दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान, मलिन बस्तियों और निम्न आय वर्ग के क्षेत्रों में संक्रमण का प्रतिशत कम देखा गया था, लेकिन स्वास्थ्य के अनुसार मलेरिया, डेंगू, वायरल बुखार के मामलों की बढ़ती संख्या के साथ ग्राफ अब ऊपर जा रहा है। एस.एन. मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वार्ड भरे हुए हैं।

राहुल का फैसलों पर एकाधिकार से नाराज है कांग्रेस का जी-23 गुट

नई दिल्ली। विभिन्न चुनावों में हार के बाद राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद से सोनिया गांधी कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष हैं, लेकिन सभी फैसले और बैठकें राहुल गांधी के आवास पर हो रही हैं, जो उन्हें पार्टी का सर्वोच्च नेता बनाती है। कांग्रेस के 23 असंतुष्ट सदस्य जिसे जी-23 भी कहा जाता है, उसने प्रभावी नेतृत्व के लिए एक पत्र लिखा था। कई पत्र लेखकों को पार्टी की विभिन्न समितियों में समायोजित किया गया था, लेकिन वे परामर्श प्रक्रियाओं में शामिल नहीं हुए हैं। इसने समूह को और नाराज कर दिया है और समूह के सूत्रों का कहना है कि मुद्दा वही बना हुआ है। छत्तीसगढ़ हो या पंजाब, सभाओं का केंद्र 12, तुगलक गली, राहुल गांधी का आवास था। वहां दो महत्वपूर्ण बैठकें हुईं जिनमें टी.एस. सिंहदेव और भूपेश बघेल उपस्थित थे और बाद में बघेल के साथ भी बैठकें राहुल के स्थान पर ही हुई थीं। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस में निर्णय अब राहुल गांधी तक ही सीमित है। पंजाब के मुद्दे को राहुल गांधी के आवास पर सुलझाया गया और नवजोत सिंह सिद्धू को राज्य में पार्टी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बाद में सोनिया गांधी के साथ एक बैठक हुई, लेकिन निर्णय राहुल गांधी के आवास पर लिया गया, जिसे प्रियंका गांधी वाड्रा का समर्थन प्राप्त था। सिद्धू द्वारा कांग्रेस नेतृत्व पर हमला करने के बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी की प्रतिक्रिया आई, जिन्होंने कहा कि यदि वे एक शब्द भी बोलते हैं तो उनका नाम लिया जा रहा है। उन्होंने स्थिति का वर्णन करने के लिए एक उर्दू दोहे का इस्तेमाल किया, हम आह भी भरते हैं तो , हो जाते हैं बदनाम, वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होते। पिछले साल 23 अगस्त को तिवारी समेत नेताओं ने सोनिया गांधी को प्रभावी नेतृत्व और ब्लॉक से सीडब्ल्यूसी स्तर तक के लंबित चुनाव के लिए एक पत्र लिखा था।

कोरोना की तीसरी लहर की बढ़ी संभावना! 24 घंटे में आए 42766 नए केस, 308 की हुई मौत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में 42,766 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद महामारी के मामलों की संख्या बढ़कर 3,29,88,673 हो गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार पांचवें दिन वृद्धि दर्ज की गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 308 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,40,533 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,10,048 हो गयी जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.24 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.42 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 4,367 की वृद्धि हुई है। लगातार 70वें दिन संक्रमण के प्रतिदिन सामने आने वाले मामले 50,000 से कम है।

मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को कोविड-19 का पता लगाने के लिए 17,47,476 नमूनों की जांच की गयी जिससे देश में अभी तक जांचे गए कुल नमूनों की संख्या 53,00,58,218 हो गयी है। दैनिक संक्रमण दर 2.45 प्रतिशत है। साप्ताहिक संक्रमण दर 2.62 प्रतिशत है। पिछले 72 दिनों से यह तीन प्रतिशत से कम है। बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,21,38,092 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 68.46 करोड़ खुराके दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

महापंचायत में बोले राकेश टिकैत, किसान आंदोलन तब तक चलेगा जब तक भारत सरकार चलवाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में संयुक्त किसान मोर्चा ने मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत का आयोजन किया है। बता दें कि यह आयोजन मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में हो रहा है। मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि, किसान आंदोलन तब तक चलेगा जब तक भारत सरकार चलवाएगी। जब तक वे बात नहीं मानेंगे आंदोलन चलता रहेगा। जब सरकार बातचीत करेगी तो हम करेंगे। देश में आज़ादी की लड़ाई 90 साल तक चली, यह आंदोलन कितने साल चलेगा हमें तो जानकारी नहीं है।

बता दें कि सिंघू सीमा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के बाद, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने शनिवार को 27 सितंबर को 'भारत बंद' का भी आह्वान किया है। पिछले नौ महीनों से दिल्ली की सीमाओं पर कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई कर रहे किसान संघ ने एक बयान में कहा कि, सिंघू सीमा पर एसकेएम नेशनल कन्वेंशन ने 'भारत के सभी राज्यों और जिलों में एसकेएम की संयुक्त समितियां बनाने का फैसला किया है।

आरएसएस की तालिबान से तुलना करने पर बुरी तरह फंसे जावेद अख्तर, बीजेपी नेता ने की मांफी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आरएसएस और तालिबान की तुलना करने वाली अपनी टिप्पणी को लेकर सिंगर और फिल्म लेखक जावेद अख्तर पर भाजपा ने हमला बोला है। महाराष्ट्र के भाजपा विधायक राम कदम ने चेतावनी दी कि जावेद अख्तर की फिल्मों की स्क्रीनिंग रोक दी जाएगी, अगर उन्होंने अगर अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगी। कदम, जो भाजपा के प्रवक्ता हैं, ने एक वीडियो संदेश में कहा कि अख्तर की टिप्पणी न केवल शर्मनाक है, बल्कि आरएसएस के करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए दर्दनाक और अपमानजनक हैं। उन्होंने आगे कहा कि, अख्तर ने विश्व हिंदू परिषद और दुनिया भर में आरएसएस की विचारधारा का पालन करने वाले करोड़ों लोगों को भी अपमानित किया। जावेद अख्तर का यह बयान न केवल शर्मनाक है, बल्कि संघ और विश्व हिंदू परिषद के करोड़ों पदाधिकारियों और दुनिया भर में उनकी विचारधारा का पालन करने वाले करोड़ों लोगों के लिए दर्दनाक और अपमानजनक है।

कदम ने वीडियो में ट्विटर पर शेयर कर कहा कि, 'ये टिप्पणी करने से पहले, उन्हें यह सोचना चाहिए था कि उसी संघ परिवार से जुड़े लोग आज सरकार चला रहे हैं और राज धर्म का पालन कर रहे हैं। अगर उनकी विचारधारा तालिबानी होती, तो क्या वह ये टिप्पणी कर पाते? इससे पता चलता है। उनके बयान कितने खोखले हैं'। कदम ने यह भी कहा कि वह रविवार को अख्तर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

नेहरू द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय संपत्ति को सरकार को बेचने में मजा आ रहा है : शिवसेना

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए शिवसेना ने रविवार को कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दीर्घकालिक दृष्टिकोण ने देश को मौजूदा आर्थिक आपदा से बचाया। अब वर्तमान सरकार उनके द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय संपत्ति को बेचने का आनंद ले रही है।

शिवसेना सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने कहा, भाजपा सरकार के सोनिया गांधी, राहुल या प्रियंका से मतभेद हो सकते हैं, लेकिन नेहरू के लिए यह नफरत क्यों है? नेहरू द्वारा बनाई गई संस्थाओं को वर्तमान सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को गति देने के नाम पर बेचा जा रहा है। उनकी टिप्पणी भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की तस्वीरों को भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष समारोह पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) द्वारा जारी एक प्रचार से हटाए जाने के बीच आई है। नेहरू की राष्ट्र-निर्माण विरासत पर जोर देते हुए राउत ने कहा, सरकार को अब उनके द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय संपत्ति को बेचने में मजा आ रहा है।

राउत ने कहा, आपको हमेशा के लिए नेहरू का ऋणी रहना चाहिए, लेकिन इसके बजाय, आपने स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को मिटा दिया है। नेहरू के प्रति इतनी दुश्मनी क्यों है। आपको देश को जवाब देना चाहिए। पार्टी अखबार सामना समूह में अपने साप्ताहिक कॉलम में इस कृत्य के लिए केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए राउत ने कहा कि नेहरू और आजाद के योगदान के बिना, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा, केवल वे लोग जो इतिहास नहीं बना सकते हैं, वे इसे दूसरों के इतिहास को मिटाना एक बहादुरी मानते हैं। जो लोग स्वतंत्रता संग्राम से दूर रहे और कभी भी भाग नहीं लिया, वे अब स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों में से एक को बाहर रखने की कोशिश कर रहे हैं। यह उचित नहीं है ।

तृप्त बाजवा और सुखजिन्दर रंधावा ने विचार-विमर्श करने के लिए मुख्यमंत्री से मिलने का समय देने के लिए कहा

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब के दो वरिष्ठ मंत्रियों तृप्त रजिन्दर सिंह बाजवा और सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह से माँग की है कि ऐतिहासिक और विरासती शहर बटाला को राज्य का 24 ज़िला बनाया जा सके, जिससे इस अहम शहर का उपयुक्त विकास हो सके।

दोनों कैबिनेट मंत्रियों ने यह भी माँग की कि इसके साथ ही ऐतिहासिक कस्बों फतेहगढ़ चूड़ियाँ और श्री हरगोबिन्दपुर या घुमाण को इस नए ज़िले की नई सब-डिवीजन्स बनाया जाए।

मुख्यमंत्री को इस सम्बन्ध में लिखे एक पत्र में दोनों मंत्रियों ने कहा है कि बटाला पंजाब का वह अहम शहर है जिससे हमारी समृद्ध ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक और साहित्यिक विरासत जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि बठिंडा के बाद बटाला पंजाब का सबसे पुराना शहर है, जिसकी स्थापना 1465 में रखी गई थी। जनसंख्या के पक्ष से भी यह पंजाब का आठवां सबसे बड़ा शहर है, जहाँ पिछले साल नगर निगम भी बनाई गई है। स. बाजवा और स. रंधावा ने इस अहम मामले पर विचार-विमर्श करने के लिए मुख्यमंत्री से समय भी माँगा है।

बटाला शहर के ऐतिहासिक विरासत संबंधी उन्होंने कहा, ''पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी का विवाह इसी शहर में माता सुलक्खनी जी के साथ 8 जुलाई 1487 में हुआ था। उनकी याद में यहाँ गुरुद्वारा डेरा साहिब और गुरुद्वारा कंध साहिब सुशोभित हैं। छठे गुरू श्री गुरु हरगोबिन्द जी अपने पुत्र बाबा गुरदित्ता जी का विवाह करने के लिए भी बटाला ही आए थे और उनकी याद में शहर के बीच गुरुद्वारा सत करतारिया सुशोभित है।''

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के राज के दौरान लाहौर और अमृतसर के बाद बटाला सिख राज का एक अहम शहर था। इस राज के समय की विरासती इमारतें आज भी मौजूद हैं, जिनमें महाराजा शेर सिंह का महल और जल महल (बारांदरी) विशेष हैं।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक काली द्वारा मंदिर और सती लक्ष्मी देवी समाधि के अलावा इस शहर के नज़दीक ही अचल साहिब का वह ऐतिहासिक स्थान है, जहाँ भगवान शिव जी के पुत्र देवता कार्तिक की याद में अचलेश्वर धाम सुशोभित है। अचल साहिब जी के स्थान पर ही श्री गुरु नानक देव जी ने सिद्धों के साथ बातचीत की थी।

कैबिनेट मंत्रियों ने कहा, ''सांस्कृतिक और साहित्यिक पक्ष से देखा जाए तो दुनिया भर में रहन वाला कोई निवासी पंजाबी ऐसा नहीं होगा जिसने महान पंजाबी कवि शिव कुमार बटालवी का नाम ना सुना हो। दुनिया भर में बटाले का नाम मशहूर करने वाले और अपने योवन में ही दुनियां को अलविदा कहने वाले इस कवि को साहित्यिक क्षेत्र में बिरहा के कवि और पंजाबी के कीट्स के तौर पर जाना जाता है।''

सपा जिलाउपाध्यक्ष ने किया जनसम्पर्क, महंगाई से आमजन मानस त्रस्त-अवधेश चौधरी

संवाददाता रामलखन सहानी, बरहज/देवरिया। विधानसभा क्षेत्र पिपरा मिश्र,व वारीपुर में रविवार को समाजवादी पार्टी जिलाउपाध्यक्ष अवधेश चौधरी ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ सघन जन सम्पर्क कर जनता का जाना हाल,और इसी क्रम में बिहार के समाजवादी नेता व लेनिन कहे जाने वाले बाबू जगदेव सिंह कुशवाहा की पुण्यतिथि बारीपुर में मनाई गई, श्रधांजलि व्यक्त कर जनता से रुवरु होते हुए चौधरी ने केंद्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई के उतरोतर बढ़ने से जनता परेशान होगयी है , किसान, मजदूर, नौजवान, आदि सभी वर्ग के लोग परेशान है,और सरकार मौन धारण किये हुए है। विकास के नाम पर केवल जनता को ठगा गया है।इस दौरान गोपी यादव , कृष्ण यादव, भीम मिश्रा, विकास गुप्ता, भोलू यादव, भगवान खरवार, अमरजीत यादव, शिबू पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

जय राम ठाकुर ने स्वर्णिम विजय वर्ष के अवसर पर विजय मशाल ग्रहण की

मुख्यमंत्री ने 1971 युद्ध सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शिमला। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज मंडी के सेरी मंच में पाकिस्तान पर भारत की ऐतिहासिक विजय के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे स्वर्णिम विजय वर्ष के अवसर पर विजय मशाल को ग्रहण किया। विजय मशाल यात्रा के स्वागत के लिए ऐतिहासिक सेरी मंच को आकर्षक ढंग से सजाया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल 1971 में पाकिस्तान पर भारत की शानदार विजय की याद दिलाता है, बल्कि यह बांग्लादेश के जन्म की कहानी भी बताता है। उन्होंने कहा कि यह विजय भारतीय सैनिकों के सामरिक कौशल और वीरता का जीता-जागता दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 16 दिसम्बर, 2020 को विजय मशाल जलाकर स्वर्ण विजय वर्ष समारोह आरम्भ किया गया और तब से विजय मशाल देशभर की यात्रा कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल को वीरभूमि का गौरव दिलाने में प्रदेश के वीर सपूतों ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिमाचल के लगभग 1700 वीरों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जवानों की वीरता इस बात से प्रदर्शित होती है कि राज्य के सपूतों को 4 परमवीर चक्र, 2 अशोक चक्र, 11 महावीर चक्र और 23 कीर्ति चक्र मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के कुल 1111 सैनिकों को विभिन्न पदकों से सम्मानित किया गया है। जय राम ठाकुर ने कहा कि वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हिमाचल के 261 वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि राज्य में आज 121944 भूतपूर्व सैनिक, 923 वीर नारियां और 36731 अन्य सैन्य विधवाएं हैं। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान हिमाचल के 52 वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर राज्य को गौरवान्वित किया था। इस युद्ध के दौरान राज्य के सैनिकों ने 2 परमवीर चक्र, 6 वीर चक्र और 12 सेना पदक और एक मेन्शन-इन-डिस्पैच प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं आरम्भ की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के भूतपूर्व सैनिकों और सैनिकों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 1971 के युद्ध शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने साइक्लिंग अभियान को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री और लेफ्टिनेंट जनरल पी.एन. अनन्थानारायणन ने मंडी में शहीद स्मारक का दौरा किया और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। 16वीं राइजिंग स्टार कॉर्पस योल के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.एन. अनन्थानारायणन ने कहा कि पाकिस्तान के साथ 1971 का युद्ध भारत के लिए निर्णायक क्षण था क्योंकि इस युद्ध द्वारा भारत ने पाकिस्तान पर अपना वर्चस्व स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश न केवल देवभूमि है, बल्कि एक वीर भूमि भी है। राज्य के लाखों युवा देश के सशस्त्र बलों में सेवाएं दे रहे हैं।

सार समाचार

पंजशीर में खूनी संघर्ष जारी! 600 तालिबानियों की मौत, 1000 से ज्यादा ने किया आत्मसमर्पण

काबुल। अफगानिस्तान के पंजशीर में तालिबान और रेजिस्टेंस फोर्सेस की जंग जारी है। इसी बीच एक खबर सामने आ रही है जिसमें कई तालिबानियों की खूनी संघर्ष में मौत हो गई है। पंजशीर का दावा है कि, इस खूनी संघर्ष में उत्तर-पूर्वी प्रांत में करीब 600 तालिबानी की मौत हो गई है और 100 से ज्यादा तालिबानी लड़ाकों ने सरेंडर कर दिया है। रेजिस्टेंस फोर्स के प्रवक्ता फहीम दास्ती ने ट्वीट करते हुए बताया कि, 600 तालिबानियों को मार दिया गया है और एक हजार से अधिक तालिबानी लड़ाकों ने सरेंडर कर दिया है। वहीं तालिबान ने दावा करते हुए कहा कि, पंजशीर के चार जिलों पर कब्जा कर लिया गया है। इसके अलावा जीत के जश्न में तालिबान ने कई हवाई गोलीबारी भी की थी। लेकिन इस दावे को पूरा झूठा बताते हुए अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा तालिबान के दावे को झूठा करार दिया है।

इराक में आईएस के हमले में 13 सुरक्षा सदस्यों की मौत

बगदाद। किरकुक प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी समूह द्वारा रात भर किए गए हमले में कम से कम 13 सुरक्षा सदस्य मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। एक प्रांतीय पुलिस सूत्र ने रविवार को इसकी जानकारी दी। सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह हमला शनिवार देर रात हुआ जब आईएस के आतंकवादियों ने बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में प्रांतीय राजधानी किरकुक के दक्षिण में अल-रशाद शहर के पास एक गांव में एक संघीय पुलिस चौकी पर हमला किया। उन्होंने कहा कि चौकी पर और गांव की ओर जाने वाले सड़क किनारे बमों से हुए हमले में 13 पुलिसकर्मी मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। अल-ताई ने कहा कि क्षेत्र में और सुरक्षा बलों के आने के बाद हमलावर घटनास्थल से हट गए। पिछले कुछ महीनों में, आईएस के आतंकवादियों ने उस प्रांत में इराकी सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां पहले आतंकवादियों का नियंत्रण था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। 2017 में इराकी सुरक्षा बलों ने आईएस आतंकवादियों को हराने के बाद से देश में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि, आईएस के अवशेष तब से रेगिस्तान और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में चले गए हैं। सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

अफगानिस्तान में घरेलू विमान सेवा फिर से शुरू

काबुल। अफगानिस्तान की एयरलाइन एरियाना अफगान एयरलाइंस ने 31 अगस्त को अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद पहली बार घरेलू उड़ानें फिर से शुरू की हैं। समाचार एजेंसी ने टोलो न्यूज के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा, एरियाना अफगान एयरलाइंस ने काबुल से हेरात, मजार-ए-शरीफ और कंधार शहरों के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। एक अन्य स्थानीय निजी एयरलाइन, काम एयर ने एक अराजक स्थिति के डर से, कथित तौर पर अपने विमानों को काबुल हवाई अड्डे से ईरान के मशहद शहर में स्थानांतरित कर दिया है। मीडिया आउटलेट के अनुसार कतर की एक तकनीकी टीम काबुल हवाई अड्डे पर उड़ानें फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए तैयार है। रैंकिंग अधिकारियों को लेकर कतर का विमान और संयुक्त अरब अमीरात से मानवीय सहायता लेकर एक अन्य विमान कुछ दिन पहले काबुल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

सबसे खराब कोविड लहर के बीच वियतनाम ने नया स्कूल वर्ष शुरू किया

हनोई। वियतनाम के 63 प्रांतीय स्तर के इलाकों में से दो तिहाई से अधिक ने देश में कोविड-19 महामारी की अब तक की सबसे खराब लहर के बीच रविवार को अपना नया स्कूल वर्ष शुरू किया। समाचार एजेंसी के अनुसार, कोविड -19 प्रतिबंधों के कारण स्कूल के उद्घाटन समारोह को सरल बनाया गया, क्योंकि 20 इलाकों में छात्रों को ऑनलाइन इकट्ठा करना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि अन्य 13 इलाकों ने अपने बैक-टू-स्कूल कार्यक्रमों को स्थगित करने का विकल्प चुना, जबकि दक्षिणी वियतनाम में वर्तमान कोविड -19 हॉटस्पॉट हो ची मिन्ह सिटी सहित छह अन्य ने इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया। देश में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, वियतनाम अप्रैल के अंत से 511,170 मामलों और रविवार तक दर्ज की गई 12,793 मौतों के साथ कोविड -19 संक्रमण की अपनी सबसे खराब लहर से लड़ रहा है।

त्रिपोली में लड़ने वाली ताकतों को दंडित किया जाना चाहिए: लीबिया के प्रधानमंत्री

त्रिपोली। लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल हमीद दबीबा ने कहा कि कुछ दिन पहले दक्षिणी त्रिपोली में लड़ने वाले सुरक्षा बलों को सजा दी जानी चाहिए। राजधानी त्रिपोली में अपनी सरकार के वरिष्ठ सुरक्षा और सैन्य अधिकारियों के साथ शनिवार को एक बैठक के दौरान दबीबा ने कहा कि ये कार्रवाई अस्वीकार्य है और जिन्होंने विस्फोट में योगदान दिया है, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री ने एक तथ्य-खोज समिति बनाने के आदेश जारी किए, जो एक सप्ताह में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करेगी, ताकि इस संबंध में आवश्यक निर्णय लिया जा सके।
2 सितंबर की रात को दक्षिणी त्रिपोली में एक सैन्य शिविर के पास दो सरकारी सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें अज्ञात लोग हताहत हुए है।
अगले दिन, लीबिया की प्रेसीडेंसी परिषद ने तत्काल युद्धविराम और सभी लड़ाकू बलों को उनके मुख्यालय में लौटने का आदेश दिया। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने संघर्षों पर चिंता व्यक्त की है, शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया है और सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने का आग्रह किया है।
लीबिया 2011 में अपने नेता मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से असुरक्षा और अराजकता का शिकार हो रहा है।

बरादर, हक्कानी समूहों के बीच झड़प के बाद आईएसआई प्रमुख काबुल पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) एजेंसी के प्रमुख फैज हमीद, मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और हक्कानी समर्थित समूहों के बीच झड़प के बाद काबुल पहुंचे, जिसमें तालिबान के सह-संस्थापक घायल हो गए। 1945 वेबसाइट में माइकल रुबिन के अनुसार, हक्कानी और कई अन्य तालिबान गुट हैबातुल्लाह अखुंदजादा को अपना नेता स्वीकार नहीं करते हैं। रुबिन ने कहा, जबकि तालिबान ने कहा था कि वे 3 सितंबर को अपनी नई सरकार की घोषणा करेंगे, अखुंदजादा की नियुक्ति के किसी भी आधिकारिक शब्द के बिना पूरा दिन बीत गया, जिसे समूह के प्रतिनिधियों ने पहले संकेत दिया था कि कंधार में स्थित इस्लामिक अमीरात के वह सर्वोच्च नेता होंगे। उस देरी ने काबुल में राजनीतिक नेता बनने के बरादर के प्रयासों को भी स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि देरी तालिबान के भीतर बहुत बड़े संकट का संकेत हो सकती है, इसलिए हमीद ने यह आपातकालीन यात्रा की है। अब हमीद जिस गहरी समस्या से जूझ रहे हैं, वह यह है कि तालिबान हमेशा से ही भ्रम में रहा है। क्वेटा शूरा हक्कानी नेटवर्क से अलग है जो उत्तरी तालिबान से अलग है। जबकि पश्चिमी राजनयिक और यहां तक कि पाकिस्तानी अधिकारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अफगानिस्तान में कोई वैधता नहीं मान सकते हैं, इस बात का कोई संकेत नहीं है कि समूह वास्तव में सहमत है। कुछ अफगान गुट अधिक समावेशी सरकार चाहते हैं और पंजशीरियों से लड़ने के प्रयासों के बारे में उत्साहित नहीं हैं। तालिबान ने बड़े पैमाने पर सैन्य जीत के बजाय राजनीतिक सौदों के दम पर अफगानिस्तान पर विजय प्राप्त की और घाटी में जमीनी लड़ाई और उसके दृष्टिकोणों में अब उन्हें होने वाले नुकसान के बारे में उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह हमीद और जिन गुटों को वह सीधे निर्देश देता है, वे प्रतिरोध के दो मुख्य नेताओं अहमद मसूद और अमरुल्ला सालेह को खत्म करना चाहते हैं। रुबिन ने कहा कि हमीद का हाथ स्पष्ट रूप से उजागर होने के बाद, अमेरिकी नीति निमार्ताओं के लिए सवाल यह बन जाता है कि किसी को तालिबान से बातचीत या पहचान क्यों करनी चाहिए, जब हमीद की आपातकालीन यात्रा पुष्टि करती है कि वे केवल एक आईएसआई कठपुतली हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन का कहना है कि तालिबान पर वाशिंगटन का प्रभाव है। उन्होंने कहा, हमीद का सपना अफगानिस्तान के 9.4 अरब डॉलर के भंडार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए भ्रम को लंबे समय तक जीवित रखना होगा। हालांकि, वाशिंगटन के लिए एक बेहतर तरीका यह हो सकता है कि फैज हमीद को वह आतंकवादी के रूप में नामित करे और वह जिस संगठन का नेतृत्व करता है वह एक आतंकवादी इकाई है।

ईरान ने कथित अपहरण के आरोपों पर अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा की

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चार ईरानी नागरिकों पर हाल ही में अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करते हुए उन्होंने इसे काल्पनिक आरोप बताया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने 3 सितंबर को घोषणा की कि वह चार ईरानी नागरिकों को एक अमेरिकी-ईरानी न्यूयॉर्क स्थित पत्रकार के अपहरण के उद्देश्य से एक कथित असफल साजिश के लिए मंजूरी देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह ने शनिवार को कहा, दुर्भाग्य से, मौजूदा अमेरिकी अधिकारी पिछले प्रशासन की विफल नीति का पालन कर रहे हैं। खतीबजादेह ने तथाकथित साजिश के अमेरिकी आख्यान को हॉलीवुड परिदृश्य के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि वाशिंगटन में प्रतिबंधों के समर्थक उनके द्वारा बनाए गए प्रतिबंधों के माहौल पर पनप रहे हैं। उन्होंने कहा, वाशिंगटन बेहतर जानता था कि उसके पास अपनी मंजूरी देने की लत को छोड़ने और तेहरान के प्रति सम्मान की भाषा का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। चार स्वीकृत ईरानी नागरिक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी अलीरेजा शाहवरोघी फरहानी और खुफिया अधिकारी महमूद खजीन, कीया सादेघी और ओमिद नूरी हैं। ट्रेजरी विभाग के अनुसार, चारों को अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात में ईरानी असंतुष्टों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया है।

विश्व को मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिये अफगानिस्तान से जुड़ना चाहिए: इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि दुनिया को मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अफगानिस्तान के साथ जुड़ना चाहिए और युद्धग्रस्त देश में शरणार्थी संकट को रोकने के लिए आर्थिक स्थिरता प्रदान करनी चाहिए। खान ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ टेलीफोन पर बात की और दोनों नेताओं ने मानवीय स्थिति पर विशेष ध्यान देने के साथ साथ अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, खान ने मानवीय जरूरतों को पूरा करने और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अफगानिस्तान के साथ और अधिक जुड़ाव की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इस तरह के कदम न केवल सुरक्षा मजबूत होगी बल्कि अफगानों का उनके देश से बड़े पैमाने पर पलायन भी रुकेगा।इस प्रकार अफगानिस्तान से पैदा होने वाले शरणार्थी संकट को रोका जा सकेगा।। खान ने अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता और एक समावेशी राजनीतिक समाधान के महत्व पर प्रकाश डाला। बयान में कहा गया है कि खान ने कहा कि यह अफगानिस्तान में 40 साल से जारी संकट पर पूर्ण विराम लगाने का अवसर है। स्थायी शांति, सुरक्षा और समृद्धि हासिल करने में अफगानों की मदद करके इस अवसर को भुनाया जाना चाहिये।

काबुल में महिलाओं के अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ हिंसक

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में नई तालिबान सरकार के तहत महिलाओं के अधिकारों की मांग को लेकर काबुल में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति भवन की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो विद्रोहियों ने उन्हें जबरदस्ती रोक दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी मिली।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि राजधानी शहर के पुल-ए-महमूद खान इलाके से राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च करने वाले प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए तालिबान के विशेष बलों ने शनिवार दोपहर आंसू गैस का इस्तेमाल किया। तालिबान ने कहा कि उन्हें आंसू गैस का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि प्रदर्शनकारी नियंत्रण से बाहर हो गए थे।

एक नागरिक समाज कार्यकर्ता सूर्या ने टोलो न्यूज को बताया कि हम अपने अधिकारों की रक्षा के लिए महिलाओं के एक समूह में शामिल हो गए थे और पैलेस की ओर बढ़ रहे थे जब तालिबान ने हम पर हमला किया, आंसू गैस छोड़ी और कई महिलाओं को पीटा भी। मीडिया कार्यकर्ता अब्दुलहक इमाद ने कहा कि प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन, विदेश मंत्रालय और सेदारत पैलेस की ओर बढ़ रहे थे, जो सभी सुरक्षित क्षेत्र में हैं, और किसी को भी उन क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। तालिबान ने उन्हें कई बार वहां ना जाने को कहा, लेकिन अंत में उन्हें महिलाओं को महल की ओर जाने से रोकना पड़ा। शनिवार को लगातार दूसरे दिन विरोध हुआ और इसमें भाग लेने वालों में ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। पिछले हफ्ते हेरात में भी इसी तरह की रैली का आयोजन किया गया था। 15 अगस्त को काबुल के पतन के बाद, तालिबान ने आरटीए (अफगानिस्तान में राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन की सुविधा) में काम करने वाली कई महिला प्रजेंटर को भी हटा दिया था। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बिना अधिक जानकारी दिए कहा है कि महिलाएं इस्लामिक सिद्धांतों के तहत काम कर सकती हैं।

बड़े शहरों में शरणार्थियों पर नियंत्रण सख्त करेगा तुर्की

अंकारा (एजेंसी)।

तुर्की लोगों के बीच बढ़ती अप्रवासी विरोधी भावना को कम करने के लिए बड़े शहरों में गैर-दस्तावेज शरणार्थियों पर नियंत्रण कड़ा करेगा। ये जानकारी एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट से सामने आई। समाचार एजेंसी ने शनिवार को मिलियट दैनिक रिपोर्ट के हवाले से कहा कि तुर्की के अधिकारियों ने अंकारा, इस्तांबुल और इजमिर जैसे शहरों में रहने वाले प्रवासियों की पहचान करने की योजना बनाई है, जो देश में कहीं और पंजीकृत हैं और उन्हें उनके पंजीकरण के स्थानों पर वापस भेज दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जिनके पास निवास की अनुमति नहीं है, उन्हें देश के दक्षिणपूर्वी हिस्से में सीमा क्षेत्र में शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, कथित तौर पर बिना वर्क परमिट या आवश्यक कर दस्तावेजों के शरण चाहने वालों के स्वामित्व वाले कार्यस्थलों पर प्रतिबंध लागू होंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तुर्की 36 लाख सीरियाई लोगों सहित 40 लाख से अधिक शरणार्थियों का घर है। 2016 में, अधिकारियों ने बिना परमिट के अपने निर्दिष्ट स्थानों को छोड़ने से अस्थायी सुरक्षा स्थिति के तहत देश में रहने वाले सीरियाई शरणार्थियों को रोक दिया। विनियमन के बावजूद, शरणार्थी लगातार तुर्की के सबसे बड़े शहरों में आते रहे हैं और अधिक महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर और बेहतर रहने की स्थिति खोजने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बीच, अप्रवासियों के प्रति निगेटिव भावनाएं, जो ज्यादातर अफगानिस्तान से शरणार्थियों की एक नई आमद से उत्पन्न होती हैं, तुर्की में बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे को देश में अप्रवासियों और बड़े पैमाने पर शरणार्थी विरोधी प्रदर्शनों के खिलाफ हिंसा में नहीं बदलना चाहिए।

तालिबान को झटका! ईरान के राष्ट्रपति ने अफगानिस्तान में चुनाव कराने की मांग की

तेहरान। (एजेंसी)।

ईरान के राष्ट्रपति ने अफगानिस्तान में जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की है ताकि देश का भविष्य निर्धारित हो सके। उन्होंने उम्मीद जताई की अफगानिस्तान में फिर से अमन कायम हो सकेगा। शनिवार को सरकारी टेलीविजन चैनल से बातचीत में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा कि अफगान लोगों को जल्द से जल्द अपनी सरकार बनाने के लिए वोट देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''वहां सरकार बननी चाहिए जो जनता के वोटों से चुनी जाए और जनता की हो।'' रईसी ने कहा, ''इस्लामिक रिपब्लिक ने अफगानिस्तान में हमेशा अमन चाहा है, खून-खराबा तथा अपनों की हत्या बंद होने की दुआ की है और जनता की इच्छा के अनुसार संप्रभुता चाही है। हम अफगान जनता द्वारा चुनी हुई सरकार का समर्थन करेंगे।

काबुल में मनी एक्सचेंज बाजार फिर से खुला, बैंकों के बाहर लगी भीड़

काबुल (एजेंसी)।

काबुल में मुख्य मनी एक्सचेंज मार्केट फिर से खुल गया है, तालिबान के अधिग्रहण के 10 दिन बाद युद्धग्रस्त देश में बैंकिंग संकट अभी भी मौजूद है। इसकी जानकारी एक स्थानीय सूत्र ने दी।

मनी एक्सचेंज के एक डीलर नजीबुल्लाह ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, द अफगानिस्तान बैंक या सेंट्रल बैंक ने 2 सितंबर को घोषणा की थी कि सराय शाहजादा निजी एक्सचेंज बाजार शनिवार को फिर से खुल गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में अभी भी उतार-चढ़ाव है क्योंकि दरें स्थिर नहीं हैं और दिन के दौरान अक्सर बदलती रहती हैं। नजीबुल्लाह ने कहा, शनिवार की सुबह बाजार फिर से खुलने के बाद एक अमेरिकी डॉलर का कारोबार 87 और 89 अफगानी करेंसी के बीच हुआ। तालिबान के 10 दिन पहले अधिग्रहण से पहले एक डॉलर 79 अफगानी करेंसी के बराबर था। पास का व्यापारिक केंद्र, काबुल का मंडावी भी खुल गया है, हालांकि, व्यापार और दैनिक कामकाज अच्छे नहीं हैं क्योंकि राजधानी शहर का मध्य भाग सामान्य नहीं हुआ है और बाकी भीड़ है।

उन्होंने कहा, व्यापार केंद्र में कुछ ग्राहक हैं। उन्होंने कहा, देश में अब बैंकिंग का बहुत बड़ा संकट है। शहर के चारों ओर सरकारी और निजी बैंकों की मुख्य शाखाओं के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। अभी तक बैंकों की शाखाएं नहीं खुल पाई हैं। लोग अपना पैसा नहीं निकाल सकते हैं, उन्हें केंद्रीय बैंक के आदेश के अनुसार साप्ताहिक आधार पर केवल 200 डॉलर या 20,000 अफगानी करेंसी ही मिलते हैं। स्थानीय मीडिया पिंटों के अनुसार, निजी वेस्टर्न यूनियन और मनी ग्राम, दो मनी ट्रांसफर सेवा एजेंसियों ने भी 3 सितंबर को अफगानिस्तान के अधिकांश 34 प्रांतों में अपना संचालन फिर से शुरू किया और लोग अब विदेशों से पैसा प्राप्त कर सकते हैं।

आत्मघाती हमले से दहला पाकिस्तान, तीन लोगों की मौत; 20 घायल

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के एक आतंकवादी के आत्मघाती हमले में अर्धसैनिक बल के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी गई। क्वेटा पुलिस के उप महानिरीक्षक अजहर अकरम ने कहा कि विस्फोट क्वेटा-मस्तुंग राजमार्ग पर फ्रंटियर कोर की चौकी के निकट हुआ। उन्होंने संवाददाता को बताया कि हमले में घायल हुए और मारे गए अधिकतर लोग फ्रंटियर कोर से थे, जो प्रांत में आतंकवाद से निपटने के अभियानों में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल हुए लोगों में 18 सुरक्षा बल के अधिकारी और दो राहगीर हैं। उनके मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं बलूचिस्तान के आतंकवाद निरोधक विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि धमाका ''आत्मघाती हमला'' था और सोना खान चौकी के निकट किया गया था। आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) में हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा बलों ने बताया कि हमले में जिस वाहन को निशाना बनाया गया वह हजारा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सब्जी विक्रेताओं की सुरक्षा के लिए तैनात था। प्रधानमंत्री इमरान खान ने हमले की निंदा की है। उन्होंने ट्वीट किया,'' क्वेटा के मस्तुंग मार्ग पर फ्रंटियर कोर की चौकी पर टीटीपी के आत्मघाती हमले की निंदा करता हूं। शहीदों के परिजन के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। विदेश समर्थित आतंकवादियों से हमेंबचाने के लिए सुरक्षा बलों और उनके बलिदानों को सलाम करता हूं।'' बलूचिस्तान के गृह मंत्री मीर जियाउल्लाह लांगोव ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा,'' सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अनगिनत बलिदान दिए हैं। पूरा देश शहीदों का ऋणी है। हम अपनी पूरी ताकत के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और आगे भी ऐसा करते रहेंगे।

संपादकीय

तालिबान की कच्ची-पक्की खिचड़ी

आज तालिबानी सरकार की विधिवत घोषणा होनी थी लेकिन 19 दिन बाद भी सारा मामला अधर में लटका हुआ है। यह अजूबा है। दुनिया में कहीं भी तख्ता-पलट होता है तो पिछला शासक देश छोड़कर भागता है या मौत के घाट उतारा जाता है, उसके पहले ही नई सरकार की घोषणा हो जाती है। राष्ट्रपति अशरफ गनी को काबुल से भागे अब 20 दिन होने को आ गए लेकिन अभी तक नई सरकार की घोषणा नहीं हुई है। इसका तात्कालिक कारण तो यही है कि काबुल पर तालिबानी फतह अचानक ही हो गई। हालांकि मैंने अपने लेख में हफ्ते भर पहले ही लिख दिया था कि हेरात और मजारे-शरीफ जैसे गैर-पठान इलाके इतनी आसानी से गिर गए तो काबुल, कंधार, लश्करगाह और जलालाबाद जैसे क्षेत्र सूखे पत्तों की तरह उड़ जाएंगे। वे उड़ गए लेकिन वे क्या, पूरा देश ही अधर में लटका हुआ है। उम्मीद यह थी कि तालिबान 31 अगस्त का इंतजार कर रहे हैं ताकि अमेरिका की पूरी वापसी हो और उसके बाद वे अपनी सरकार की घोषणा करें लेकिन अभी भी वे नहीं कर पाए हैं, इसका मूल कारण उनके आंतरिक विवाद है। यों तो अपने जन्म के समय 25-26 साल पहले तालिबान मूलतः गिलजई पठानों का संगठन था लेकिन अब उसमें लगभग सभी प्रमुख पठान कबीलों के लोग शामिल हो गए हैं। इतना ही नहीं, अब गैर-पठान याने ताजिक, उजबेक, किरगीज, तुर्कमान, मू-ए-सुर्ख और यहां तक कि शिया हजारा भी उनमें शामिल होना चाहते हैं। नई सरकार में हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला और कुछ पंजशीरी नेताओं के भी किसी न किसी रूप में शिरकत की खबरें हैं। इनके अलावा तालिबान के तीन संगठन-क्वेटा शूरा, पेशावर शूरा और मिरान्शाह शूरा में भी होड़ लगी हुई है। मुल्ला बिरादर और अंखुंडजई के नाम तो सबसे ऊपर हैं लेकिन तालिबान में जो गरमपंथी और नरमपंथी हैं, उनके बीच भी खींचतान मची हुई है। काबुल में इस समय जबर्दस्त राजनीतिक खिचड़ी पक रही है। तालिबान के पोषक पाकिस्तान के गुप्तचर मुखिया जनरल फैज हामिद भी दल बल सहित काबुल पहुंच चुके हैं। वे सिराजुद्दीन हक्कानी और मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला याकूब के बीच भड़की आग को ठंडा करने की कोशिश करेंगे। वे भारतपरस्त तत्वों को हतोत्साहित और चीनपरस्त तत्वों को प्रोत्साहित करें तो हमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पंजशीर का मामला भी अभी पूरी तरह ठंडा नहीं हुआ है। ऐसे में यदि काबुल में भारत सक्रिय होता तो उसकी भूमिका पाकिस्तान से भी अधिक निष्पक्ष और स्वीकार्य होती लेकिन शायद हमें अमेरिका के इशारे का इंतजार रहता है।

'आज के ट्वीट

गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीरः पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया था गिलानी का शव, मामला दर्ज कर पड़ताल में जुटी पुलिस। कई लोग गिरफ्तार.!

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

चुनावी आहट से करवट लेती राजनीति

राजकुमार सिंह

धन बल और बाहु बल के शिकंजे में फंसी हमारी चुनाव प्रणाली अब लोकतंत्र को कितनी प्राण वायु दे पाती है, यह तो बहस और विश्लेषण का विषय है, लेकिन हमारी सत्ता राजनीति को इसी से प्राण वायु मिलती है। चुनाव समाप्त होते ही दूर के दर्शन बन जाने वाले राजनेता चुनावों की आहट के साथ ही मतदाताओं की परिक्रमा शुरू कर देते हैं तो राजनीतिक दल वोट बैंक की गणना। बेशक उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनाव अभी लगभग छह महीने दूर हैं, लेकिन पिछले छह महीने से शुरू कवायद बताती है कि जनता का तो पता नहीं, पर राजनीतिक दलों-नेताओं का भविष्य चुनाव परिणामों पर ही टिका है। उत्तराखंड में जो कुछ हुआ, वह कुछ-कुछ दिल्ली की याद दिलाने वाला है। कभी दिल्ली में सत्ता बचाने के लिए भाजपा ने पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदले थे। फिर भी चुनाव परिणाम क्या आया, सभी जानते हैं। उत्तर प्रदेश की नेत्री शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री बना कर कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर राज किया। उसके बाद सत्ता तो बदली, पर भाजपा के बजाय नवजात आम आदमी पार्टी के हाथ ऐसी गयी कि आसानी से निकलती नहीं दिख रही। चुनावी राजनीति के कमोबेश वैसे ही दबाव में उत्तराखंड में भाजपा दिल्ली से भी तेज रफ्तार से तीन मुख्यमंत्री बदल चुकी है। लगभग चार साल तक मुख्यमंत्री रहे त्रिवेंद्र सिंह रावत की जगह जिन तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया था, वह भाजपा की फजीहत कराने वाले ही ज्यादा साबित हुए। चार माह से भी कम समय में बेआबरू होकर वह तो उत्तराखंड की सत्ता के कूचे से निकल गये, पर इन नेतृत्व परिवर्तनों से भाजपा के दामन पर लगे दाग धोने की चुनौती अब युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर है। त्रिवेंद्र भी आलाकमान की पसंद थे और तीरथ भी, और अब धामी भी। मुख्यतः द्विदलीय राजनीति वाले जिस उत्तराखंड में हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन की परंपरा-सी है, वहां इतनी जल्दी मुख्यमंत्री बदल कर भाजपा आलाकमान ने राजनीतिक समझदारी दिखायी हो—ऐसा लगता तो नहीं। हां, भाजपा के लिए संतोष की बात यह है कि मुख्य मुकाबला जिस कांग्रेस से है, उसके आलाकमान की राजनीतिक समझदारी और प्रयोगवाद ने पंजाब में खुद अपनी सत्ता को खतरे में डाल दिया है। मुकाबला मुख्य विपक्षी दल आप तथा शिरोमणि अकाली दल-बसपा गठबंधन से है, लेकिन कांग्रेस आलकमान की मेहरबानी से तल्ख सार्वजनिक टकराव कांग्रेसी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू में हो रहा है। यह अप्रत्याशित नहीं है। सिद्धू को जानने-समझने वालों को इसकी आशंका पहले से थी, पर आलाकमान को उन सिद्धू में ही कांग्रेस का भविष्य नजर आया, जिनका अपने ही कप्तान के विरुद्ध बगावत का जगजाहिर इतिहास है। हालात कुछ ऐसे बन गये हैं कि न निगलते बन रहा है और न ही उगलते। फिर भी सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक का दावा है कि उनके एजेंडा पर जनहित और प्रदेश हित ही सर्वोपरि हैं। अब देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की बात करें। देश की सत्ता का रास्ता लंबे समय तक उत्तर प्रदेश से ही निकलता रहा। बेशक वर्ष 2004 से 14 तक मनमोहन सिंह, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की बदहाली के बावजूद प्रधानमंत्री बने, लेकिन वह गठबंधन (संप्रग) राजनीति की बदौलत संभव हुआ। तकनीकी तौर पर नरेंद्र मोदी भी राजग सरकार के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पिछली बार की तरह इस बार भी भाजपा को अकेलेदम लोकसभा में बहुमत प्राप्त है तो उत्तर प्रदेश की ही बदौलत। मोदी का गृह राज्य भले ही गुजरात हो, पर उन्होंने लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश से ही लड़ा। इसका लाभदायक परिणाम यह निकला कि देश के सबसे बड़े राज्य में तीसरे स्थान पर पहुंची भाजपा ने ऊंची छलांग लगाते हुए न सिर्फ रिकॉर्ड लोकसभा सीटें हासिल कीं, बल्कि दशकों से सत्ता पर काबिज सपा-बसपा को हाशिये पर धकेलते हुए लखनऊ में सरकार भी बनायी। 403 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 313 सीटें मिलना जितना आश्चर्यजनक था, उससे कम आश्चर्यजनक मुख्यमंत्री का चयन भी नहीं रहा। सामाजिक समीकरण के नाम पर तमाम दावेदार कतार में थे। कुछेक ने तो मीडिया में नाम चलने पर विशेष पूजा-अर्चना भी शुरू कर दी थी, लेकिन सत्ता सिंहासन मिला संन्यासी सांसद योगी आदित्यनाथ को। योगी गोरखपुर से भाजपा सांसद थे। हर चुनाव में आक्रामक लोकप्रिय प्रचारक भी रहे, लेकिन वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं—इसका अनुमान भी शायद बड़े-से-बड़े राजनीतिक पंडितों ने नहीं लगाया था। यह अलग बात है कि नाम की घोषणा होने पर इन पंडितों ने योगी को भाजपा का ट्रंप कार्ड साबित करने में देर नहीं लगायी। मंडल-कमंडल की राजनीति वाले प्रदेश में योगी का राजतिलक बेहद जोखिमभरा दांव था। दल के अंदर सत्ता के दावेदारों की महत्वाकांक्षाएं भी आहत हुई ही होंगी। शायद इसीलिए दो उपमुख्यमंत्री भी बनाने पड़े। तटस्थ भाव से देखें तो कानून व्यवस्था से लेकर बिजली आपूर्ति तक कई क्षेत्रों में सुधार योगी राज में दिखायी पड़े, लेकिन जाति-धर्म के आधार पर राजनीतिकरण से ग्रस्त नौकरशाही से काम लेना किसी के लिए भी आसान नहीं होता। जाहिर है, संन्यासी सांसद से मुख्यमंत्री बने योगी के लिए भी यह आसान नहीं रहा। अपराधियों के खिलाफ सख्ती का दुरुपयोग कर फर्जी मुठभेड़ करने के आरोप सामने आये तो निरंकुश नौकरशाही की कारगुजारियां भी। इसके बावजूद योगी लगभग चार साल का राज निष्कंटक निकाल गये। बयान बहादुर के अलावा विपक्ष भी उन्हें किसी मुद्दे पर कठघरे में खड़ा नहीं कर पाया, न ही कोई जन आंदोलन खड़ा कर पाया, लेकिन कोरोना और किसान आंदोलन की दोहरी परीक्षा में योगी की राजनीतिक समझ और रणनीति, दोनों की सीमाएं उजागर हो गयी हैं। परिणामस्वरूप मतदाताओं द्वारा हाशिये पर धकेल दी गयी सपा-बसपा ही नहीं, उत्तर प्रदेश में लगभग अप्रासंगिक हो चुकी कांग्रेस भी योगी सरकार के विरुद्ध कुछ इस अंदाज में आक्रामक नजर आ रही है, मानो आने वाले चुनाव में सत्ता की दावेदार हो। यह महज दिखावटी परिदृश्य भी नहीं है, वरना उत्तर प्रदेश पिछले कुछ महीने से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के एजेंडा पर सबसे ऊपर नहीं होता। उत्तराखंड में नेतृत्व परिवर्तन के समय ही उत्तर प्रदेश में भी ऐसी सरगर्मियां नजर आयीं, मानो वहां भी भाजपा आलाकमान ने योगी की विदाई का मन बना लिया हो। जाहिर है, चुनाव से पहले सामाजिक समीकरण बिठाने के दबाव में किया जाने वाला वह परिवर्तन भाजपा पर भारी भी पड़ सकता था। योगी का वह संकट तो टल गया, लेकिन कोरोना और किसान आंदोलन से उपजी राजनीतिक-सामाजिक चुनौतियों में भाजपा का चुनावी संकट बरकरार है। ब्राह्मण समुदाय लंबे समय तक उत्तर प्रदेश में सत्ता पर काबिज रहा। भाजपा का परंपरागत समर्थक वर्ग होने के बावजूद सत्ता में अपेक्षित हिस्सेदारी न मिलने से वह खफा है, तो नौ महीने से दिल्ली की दहलीज पर जारी किसान आंदोलन ने उस किसान वर्ग को भी भाजपा से विमुख कर दिया है, जिसने पिछले लोकसभा-विधानसभा चुनावों में मोदी के नाम पर उत्साह से वोट दिया था। कोरोना की दूसरी लहर में जिन राज्यों में नदियों में लाशें बहती दिखायी दीं और नदी किनारे अंत्येष्टियां हुईं, उनमें उत्तर प्रदेश अग्रणी है। इससे भी योगी और भाजपा की साख बेहतर तो हरगिज नहीं हुई। इसी का परिणाम है कि प्रचंड बहुमत से बनी सरकार को अगले साल शुरू में होने वाले चुनाव में कड़ी चुनौती मिलने के आसार नजर आ रहे हैं। बेशक यह चुनौती कितनी कड़ी और कारगर होगी—यह इस बात पर निर्भर करेगा कि विपक्ष किस हद तक मतभेद-मनभेद भुला कर एकजुट हो पायेगा, क्योंकि विभाजित विपक्ष का स्पष्ट अर्थ होगा—भाजपा को वॉकओवर।

त्याग और प्रेम

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक दिन नारद जी भगवान के लोक को जा रहे थे। रास्ते में एक संतानहीन दुखी मनुष्य मिला। उसने कहा-'नाराज जी मुझे आशीर्वाद दे दो तो मेरे संतान हो जाए'। नारद जी ने कहा-भगवान के पास जा रहा हूं। उनकी जैसी इच्छा होगी लौटते हुए बताऊंगा। नारद ने भगवान से उस संतानहीन व्यक्ति की बात पूछी तो उनने उत्तर दिया कि उसके पूर्व कर्म ऐसे हैं कि अभी सात जन्म उसके संतान नहीं होगी। नारद जी चुप हो गए। इतने में एक दूसरे महात्मा उधर से निकले, उस व्यक्ति ने उनसे भी प्रार्थना की। उनने आशीर्वाद दिया और दसवें महीने उसके पुत्र उत्पन्न हो गया। एक दो साल बाद जब नारद जी उधर से लौटे तो उनने कहा-भगवान ने कहा है-तुम्हारे अभी सात जन्म संतान का योग नहीं है। इस पर वह व्यक्ति हंस पड़ा। उसने अपने पुत्र को बुलाकर नारद जी के चरणों में डाला और कहा-एक महात्मा के आशीर्वाद से यह पुत्र उत्पन्न हुआ है। नारद को भगवान पर बड़ा क्रोध आया कि व्यर्थ ही वे झूठ बोले। मुझे आशीर्वाद देने की आज्ञा कर देते तो मेरी प्रशंसा हो जाती। नारद कुपित होते हुए विष्णु लोक पहुंचे और कटु शब्दों में भगवान की भर्त्सना की। भगवान ने नारद को सांत्वना दी और इसका उत्तर कुछ दिन में देने का वायदा किया। नारद वहीं ठहर गए। एक दिन भगवान ने कहा-नारद लक्ष्मी बीमार हैं-उसकी दवा के लिए किसी भक्त का कलेजा चाहिए। तुम जाकर मांग लाओ। नारद कटोरा लिए जगह-जगह घूमते फिरे पर किसी ने न दिया। अंत में उस महात्मा के पास पहुंचे जिसके आशीर्वाद से पुत्र उत्पन्न हुआ था। उसने भगवान की आवश्यकता सुनते ही तुरंत कलेजा निकाल कर दे किया। नारद ने उसे ले जाकर भगवान के सामने रख दिया। भगवान ने उत्तर दिया-नारद! यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है। जो भक्त मेरे लिए कलेजा दे सकता है उसके लिए मैं भी अपना विधान बदल सकता हूं। तुम्हारी अपेक्षा उसे श्रेय देने का भी क्या कारण है, सो तुम समझो। जब कलेजे की जरूरत पड़ी तब तुमसे यह न बन पड़ा कि अपना ही कलेजा निकाल कर दे देते। तुम दूसरों से मांगते फिरे और उसने बिना सोचे तुरंत अपना कलेजा दे दिया। 'त्याग और प्रेम के आधार पर ही मैं अपने भक्तों पर कृपा करता हूं और उसी अनुपात से उन्हें श्रेय देता हूं'। नारद चुपचाप सुनते रहे। उनका क्रोध शांत हो गया और लज्जा से सिर झुका लिया।

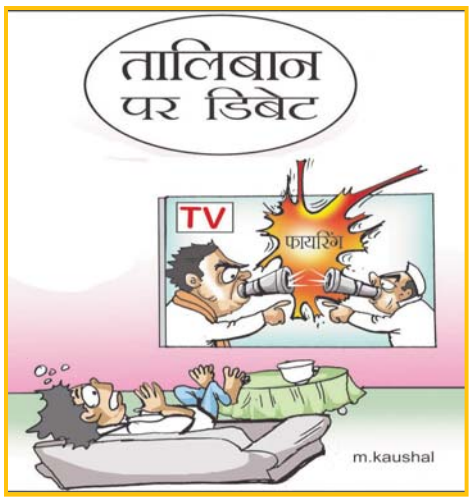

आज का राशिफल

मेष	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।
मिथुन	आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।
कर्क	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।
कन्या	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।
तुला	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।
वृश्चिक	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

अब लिखने-पढ़ने और सोचने का काम भी

हर्षदेव

आप जल्द ही भावनाओं से ओतप्रोत ऐसी कविताएं पढ़ेंगे जो मशीन ने लिखी होंगी। मशीन ही आपके अध्ययन के लिए विचारपूर्ण सम्पादकीय और लेख लिखा करेगी। आप यह करिश्मा भी देखेंगे जब कृत्रिम बुद्धि नये अनुसंधान करेगी, नयी खोज करेगी, नये आविष्कार करेगी और उनका पेटेंट उसी के नाम किया जाएगा अर्थात उस ईजाद पर मशीन का ही अधिकार होगा। मशीनी बुद्धिमत्ता जिस प्रकार निरंतर सृजन के क्षेत्र में क़दम बढ़ा रही है, उससे उत्साहित होकर सरे विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में कानून के प्रोफ़ेसर रेयान एबट ने मशीनी बुद्धि को अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट क़ानून में व्यक्ति के समकक्ष दर्जा दिए जाने की मांग की है। इसके पक्ष में उन्होंने बाकायदा एक अभियान छेड़ा हुआ है। क्षमता के लिहाज से भी मशीनी बुद्धि मनुष्य से बहुत अधिक समर्थ होगी। वह पलक झपकते ही बहुत बड़ी तादाद में आंकड़ों की गणना, विश्लेषण और नये विचारों को प्रस्तुत करने में समर्थ हो चुकी है। आश्चर्य नहीं होगा यदि अगली बार महामारी के मौक़े पर विचारशील मशीनी बुद्धि टीके का सफल परीक्षण और आविष्कार का चमत्कार कर दिखाए। आने वाले समय में यह भी संभव है कि अमेरिका के लिए मशीनें सामरिक और आर्थिक क्षेत्रों में ऐसे आविष्कार कर दिखाएं जो चीन को मात देने में समर्थ हों। कृत्रिम बुद्धि द्वारा किए जा रहे अनुसंधान इस दिशा में और आगे बढ़ें, उससे पहले ज़रूरी है कि कृत्रिम बुद्धि द्वारा किए जाने वाले सफल प्रयोगों को पेटेंट के अधिकार की सुविधा दी जाए। यह तभी संभव होगा जब मशीनी बुद्धि को मनुष्य की तरह मान्यता दे दी जाएगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कुछ स्वार्थी और ओछे विचार वाले तत्व कृत्रिम बुद्धि के आविष्कारों का लाभ उठाने की कोशिश में लगे रहेंगे। मानव विकास के इतिहास पर विहंगम दृष्टि डालें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पहिये के बाद सबसे चमत्कारी खोज कृत्रिम बुद्धि ही है। अभी तक इस विज्ञानी अक्ल का उपयोग आपसी संवाद, मशीन संचालन, आशु लिप्यन, गैर साहित्यिक अनुवाद आदि में होता रहा है। समकालीन लेखक इस प्रकार के बौद्धिक कौशल को 'रचनात्मक लेखन के बजाय मात्र टाइपिंग' ठहराते रहे हैं क्योंकि उसमें वह वैचारिक चिंगारी नहीं होती जो दिमाग को नयी सोच की दिशा में प्रेरित कर सके। मशीनी बुद्धिमत्ता की नयी करिश्माई कामयाबी हम कुछ समय पूर्व देख चुके हैं जब उसने गार्डियन अख़बार के अमेरिकी संस्करण के लिए संपादकीय लेख लिखने के आदेश का पालन कर दिखाया। मशीनी बुद्धि ने बहुत ही विचारपूर्ण लेख लिख दिखाया। लेख में आशा प्रकट की गई कि भविष्य में मानवता को हानि पहुंचाने या नष्ट करने का प्रयास कभी नहीं किया जाएगा। यह लेख आश्वस्त करता है कि भविष्य में लिखने-पढ़ने और सोचने के काम को काफ़ी हद तक कृत्रिम बुद्धि करने में समर्थ हो जाएगी। मशीनी बुद्धिमत्ता को वैचारिक कामों के लिए तैयार करने की पहल कुछ युवकों ने की। उन्होंने एक नयी भाषा ईजाद की, जिसको जीपीटी-3 (जेनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफर) नाम दिया गया। युवकों ने इस उद्देश्य से सैन फ्रांसिस्को में एक प्रयोगशाला स्थापित की, जिसका नाम ओपन एआई रखा गया। इसी प्रयोगशाला में मशीनी बुद्धि के प्रयोग में समर्थ नयी भाषा का आविष्कार हुआ। अब इस मशीनी बुद्धि से यहां तक उम्मीद लगायी जा रही है कि वह कविता लेखन, उपन्यास और कहानियां भी लिखने में समर्थ होगी। यदि ऐसा हुआ तो क्या फिर मनुष्य की विचारशीलता का काम मशीनें संभाल लेंगी? सोचने की बात है। बुद्धिमान मशीनें लिखे हुए पाठ के शब्दों की सही पहचान करके उनको पढ़ने और टीवी दर्शकों को सुनाने का काम भी सम्भाल चुकी हैं। एक टीवी एंकर का यह काम जापान में सफलतापूर्वक कराकर देखा जा चुका है। एक ओर जहां ये सफलताएं नयी आशाएं जगाती हैं, उत्साहित करती हैं, वहीं हमको प्रसिद्ध भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की चेतावनी को भी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने आगाह किया था कि कृत्रिम बुद्धि मानवता और इस पृथ्वी ग्रह के सुरक्षित भविष्य के लिए ख़तरा बन सकती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए जो प्रयोग मशीनी बुद्धि द्वारा किए जा रहे हैं, उनके प्रति सावधानी भी बरतनी होगी। यहां एक हॉलीवुड फिल्म 'आई रोबोट' का जिक्र उचित होगा, जिसमें रोबोट सारा काम करते-करते हरकतें करने लगता है। बाद में वह मनुष्य के विरुद्ध षड्यंत्र करने लगता है और अंत में उसको नष्ट करना पड़ता है।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-

ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लैं। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लैं। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

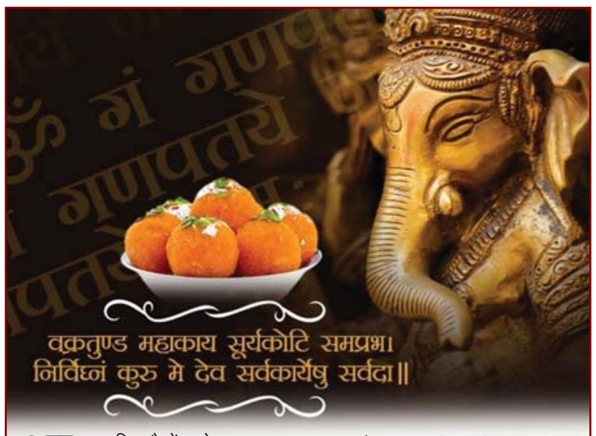

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

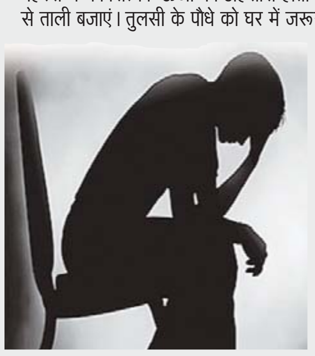

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

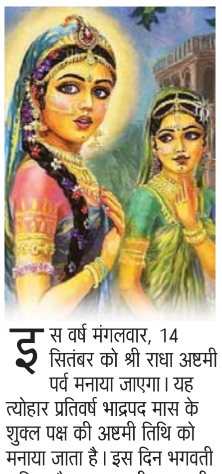

राधा अष्टमी व्रत कब है

इस वर्ष मंगलवार, 14 सितंबर को श्री राधा अष्टमी पर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवती शक्ति और भगवान श्री कृष्ण की बाल सहचरी राधा जी का जन्म हुआ था। राधा रानी के पिता वृषभानु और माता का नाम कीर्ति था। राधा जी ने अधिकतर समय वृंदावन में ही बिताया था। राधा-कृष्ण के मिलन को लेकर कई स्थानों पर अलग-अलग वर्णन है। कहा जाता है कि पहली बार राधा जी ने कृष?ण जी को तब देखा था, जब मां यशोदा ने उन्हें ओखले से बांध दिया था। कहीं-कहीं यह वर्णन भी मिलता हैं कि वे पहली बार अपने पिता वृषभानु के साथ गोकुल आई थी, तब उन्होंने कृष्ण जी को पहली बार देखा था। कुछ विद्वानों लिखते हैं कि दोनों की पहली बार मुलाकात संकेत तीर्थ पर हुई थी और वहीं दोनों प्रेम बंधन में बंध गए थे। ब्रह्मवैवर्त पुराण में बताया जाता है कि एक बार राधा रानी गोलोक में कहीं दिखाई नहीं दे रही थीं तब भगवान श्री कृष्ण दूसरी सखी के साथ विहार करने लगे। इस बात से राधा रानी क्रोधित हो गईं। यह देखकर कृष्ण के मित्र श्रीदामा ने राधा जी को श्राप दिया कि आपको पृथ्वी लोक में जन्म लेकर श्री कृष्ण का विरह सहन करना होगा। और फिर इसी श्राप के फलस्वरूप राधा जी ने पृथ्वी पर वृषभानु के परिवार में जन्म लिया। यह भी माना जाता है कि राधा रानी ने कीर्ति जी के गर्भ से जन्म नहीं लिया था?। वो वृषभानु जी को तपस्थली पर मिली थीं। ऐसा माना जाता है कि राधा जी वृंदावन की अधीश्वरी हैं। राधा जी को भगवान श्री कृष्ण की जीवन ऊर्जा भी माना जाता है। राधा और कृष्ण एक साथ मौजूद हैं इसलिए उन्हें 'राधाकृष्ण' भी कहा जाता है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी का दिन राधा अष्टमी और राधा जयंती के रूप में मनाया जाता है। राधा जी के जन्मस्थान बरसाना में यह दिन बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह भगवान श्री कृष्ण और राधा के बीच प्रेम के निस्वार्थ बंधन को समर्पित दिन है। राधा के बिना श्री कृष्ण का व्यक्तित्व अपूर्ण माना जाता है। यदि श्रीकृष्ण के साथ से राधा जी को हटा दिया जाए तो श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व माधुर्यहीन हो जाता। ऐसा माना जाता हैं कि राधा के ही कारण श्रीकृष्ण रासेश्वर हैं।

क्रोमबुक के लिए ह्यूमन प्रेजेंस सेंसर पर काम कर रहा है गूगल :रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

टेक दिग्गज गूगल आगामी क्रोमबुक के लिए एक ह्यूमन प्रेजेंस सेंसर (एचपीएस) पर काम कर रहा है, जिसका इस्तेमाल फेस अनलॉक या अन्य लंबे समय से प्रतीक्षित क्रोम ओएस सुविधाओं के लिए किया जा सकता है। इस साल की शुरूआत में, क्रोमबुक के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए एक ब्लॉग पोस्ट में गूगल ने क्रोम ओएस के लिए एक छोटा टीजर शामिल किया। 9टू5गूगल ने बताया, इसमें अधिक वैयक्तिकृत अनुभवों के लिए एसेसर तकनीकों का उपयोग करने का वादा किया गया है। इस मानव उपस्थिति सेंसर को हार्डवेयर स्तर पर काम करने के लिए पिछले कुछ महीनों में महत्वपूर्ण काम किया गया है, अब तक केवल एक अनुमान ही है कि क्रोम ओएस इसके साथ क्या करेगा। विशेष रूप से क्रोमबुक में एचपीएस है, तो सिस्टम ट्रे में एक आंख के आकार का आइकन होगा। अभी यह सुविधा विकास के शुरूआती चरण में है। आइकन स्थिर है, लेकिन यह संभव है कि क्रोम ओएस आपकी उपस्थिति का पता लगा सकता है या नहीं, इस पर निर्भर करता है कि क्रोम ओएस एक अलग आइकन दिखाएगा। टेक दिग्गज एंटमाइक्रो के सहयोग से मानव उपस्थिति सेंसर विकसित कर रही है, जो एक सॉफ्टवेयर-संचालित तकनीकी कंपनी है जो खुली और आधुनिक औद्योगिक बढ़त और क्लाउड अल सिस्टम विकसित कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य जिम्मेदारियों के अलावा, एंटमाइक्रो ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सेंसर हार्डवेयर के साथ काम करने के तरीके पर काम कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब गूगल और एंटमाइक्रो ने एक साथ काम किया है, क्योंकि दो कंपनियों ने दोनों आरआईएससी-वी फाउंडेशन के प्लेटिनम संस्थापक सदस्य ने कुछ अन्य परियोजनाओं के साथ कोरल एआई डेवलपर बोर्ड बनाने के लिए सहयोग किया है।

बीसीसीएल ने स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया

नई दिल्ली ।

देशभर में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के तहत, कोयला मंत्रालय की अधीनस्थ मिनीरत्न कंपनी उपक्रमभारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने स्वच्छता और कोविड-19 संबंधित एहतियाती उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। मौजूदा अभियान के तहत बीसीसीएल के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने झारखंड के धनबाद जिले के पुतकीबलिहारी (पीबी) क्षेत्र में स्थित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग की बड़ी आबादी वाली अल्गोरिया बस्ती के निवासियों को हैंड सैनिटाइजर और फेस मास्क के 125 पैकेट वितरित किए। बीसीसीएल ने दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित शिक्षण केंद्र, पहला कदम स्कूल, जगजीवन नगर के छात्रों और उनके अभिभावकों को भी हैंड सैनिटाइजर तथा फेस मास्क वितरित किए। समारोह के आयोजकों ने छात्रों को हाथ धोने और फेस मास्क पहनने की आदत को बनाए रखने की आवश्यकता के बारे में बताया। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अनुरूप, छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

चालू वित्त वर्ष में भारत का इस्पात उत्पादन 18त्न बढ़कर 12 करोड़ टन पर पहुंचेगा: कुलस्ते

बिजनेस डेस्क: देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक 18 प्रतिशत बढ़कर 12 करोड़ टन पर पहुंच जाएगा। इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने यह उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में इस्पात की मांग 10 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष 2020-21 में भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन 10.2 करोड़ टन रहा था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 6.1 प्रतिशत की गिरावट है। बीते वित्त वर्ष में कोविड-19 महामारी और उसकी वजह से लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से इस्पात क्षेत्र का उत्पादन प्रभावित हुआ था। कुलस्ते ने कहा, ''अप्रैल-जुलाई, 2021 में देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन 44.6 प्रतिशत बढ़कर 3.75 करोड़ टन से अधिक रहा है। इससे मुझे भरोसा होता है कि चालू वित्त वर्ष में हम 11.5 से 12 करोड़ टन का उत्पादन हासिल कर पाएंगे।'' राष्ट्रीय इस्पात नीति-2017 के तहत सरकार ने 2030-31 तक 30 करोड़ टन का इस्पात उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इस्पात की खपत पर एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि 2021-22 में यह 10 करोड़ टन से अधिक रहेगी। मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में इस्पात की खपत 9.34 करोड़ टन रही थी, जो 2019-20 की तुलना में 6.7 प्रतिशत कम है। कुलस्ते ने कहा कि सरकार ने 100 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय संरचना पाइपलाइन (एनआईपी) की घोषणा की है। इसके तहत देशभर में विभिन्न ऐसी परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा जिसमें इस्पात का बड़ी मात्रा में इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं मसलन प्रधानमंत्री आवास योजना, भारतमाला, सागरमाला और प्रतिबद्ध ढुलाई गलियारा..पहले से चल रही हैं। इनसे देश में इस्पात की मांग को प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री ने कहा कि सरकार ने स्थानीय स्तर पर विनिर्मित इस्पात को प्रोत्साहन देने तथा कच्चे माल के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं।

कोल इंडिया की 39 खनन परियोजनाओं में विलंब: रिपोर्ट

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) की 39 कोयला खनन परियोजनाएं विलंब से चल रही हैं। हरित मंजूरियों में देरी, पुनर्वास और पुनः स्थापन के मुद्दों की वजह से इन परियोजनाओं में देरी हो रही है। खनन परियोजनाओं में देरी का मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि देश के बिजली संयंत्र इस समय कोयले के भंडार में कमी की समस्या से जूझ रहे हैं। कोल इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है, ''83.64 करोड़ टन सालाना की 114 कोयला परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लिए 1,19,580.62 करोड़ रुपये की पूंजी मंजूर की गई है। इन 114 परियोजनाओं में से 75 तो अपने निर्धारित समय के हिसाब से चल रही हैं, लेकिन 39 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य रूप से वन मंजूरी और जमीन पर कब्जे में देरी तथा पुनर्वास और पुनःस्थापन के मुद्दों की वजह से इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कोल इंडिया की 2.76 करोड़ टन की वार्षिक मंजूर क्षमता और 1,976.59 करोड़ रुपये की पूंजी वाली नौ कोयला परियोजनाएं पूरी हुईं। इन परियोजनाओं को कुल 1,958.89 करोड़ रुपये की पूंजी के साथ पूरा किया गया। इनमें से चार परियोजनाएं वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., तीन सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. और दो महानदी कोलफील्ड्स लि. की हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 लाख टन की मंजूर क्षमता और 143.63 करोड़ रुपए की पूंजी वाली एक परियोजना से बीते वित्त वर्ष में कोयले का उत्पादन शुरू हुआ। सीआईएल की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खनन परियोजना से बीते वित्त वर्ष में उत्पादन शुरू हुआ। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

चमड़ा, फुटवियर उद्योग के लिए प्रोत्साहन योजना को 2025-26 तक बढ़ा सकती है सरकार

(एजेंसी):

सरकार चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग के लिए प्रोत्साहन योजना भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक सामान विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) को 1,700 करोड़ रुपए के खर्च के साथ 2025-26 तक बढ़ा सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को और प्रोत्साहन मिल सकेगा। अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 1,700 करोड़ रुपए के खर्च के साथ आईएफएलएडीपी के क्रियान्वयन का प्रस्ताव सौंपा है। यह राशि 2021-22 से 2025-26 तक खर्च की जाएगी। इस प्रस्ताव को जल्द केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल सकती है। इस कार्यक्रम के छह प्रमुख तत्व सतत प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरणीय संवर्द्धन (प्रस्तावित खर्च 500 करोड़ रुपए), चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत विकास (प्रस्तावित खर्च 500 करोड़ रुपए), संस्थागत सुविधाओं की स्थापना (200 करोड़ रुपए), विशाल चमड़ा फुटवियर एवं एक्सेसरीज क्लस्टर विकास (300 करोड़ रुपए), चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में भारतीय ब्रांडों का प्रसार (100 करोड़ रुपए) और डिजाइन स्टूडियो का विकास (100 करोड़ रुपए) शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि व्यय वित्त समिति ने पहले ही मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे पहले आईएफएलएडीपी को 2,600 करोड़ रुपए के खर्च के साथ तीन वित्त वर्षों 2017-18 से 2019-20 के लिए मंजूरी दी गई थी। इस योजना का मकसद बुनियादी ढांचे का विकास और अतिरिक्त निवेश को प्रोत्साहन देना भी है, जिससे क्षेत्र का उत्पादन और रोजगार बढ़ाया जा सके।

चिप की कमी के बावजूद वाहन कंपनियों को त्योहारी सीजन अच्छा रहने की उम्मीद

(एजेंसी):

देश की प्रमुख वाहन कंपनियां मारुति सुजुकी इंडिया, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और महिंद्रा एंड महिंद्रा इस साल त्योहारी सीजन में अपनी बिक्री बेहतर रहने की उम्मीद कर रही हैं। हालांकि, चिप की कमी की वजह से वाहन कंपनियों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है और उनके लिए अपनी उत्पादन सारिणी को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। त्योहारी सीजन ओणम के साथ शुरू होकर नवंबर में दिवाली के साथ संपन्न होता है। वाहन कंपनियों को अभी तक मजबूत मांग देखने को मिली है। अब वाहन कंपनियां डीलरों को आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं ताकि अक्टूबर में व्यस्त त्योहारी सीजन के समय उपभोक्ताओं की मांग को पूरा किया जा सके। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''अभी मांग ठीक-ठाक है। यह पिछले साल की तुलना में कुछ बेहतर है। हालांकि, आपूर्ति के मोर्चे पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव है। हम उसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी नवरात्र से पहले पर्याप्त भंडार बनाने का इरादा रखती है, जिससे बढ़ी मांग को पूरा किया जा सके। हालांकि, यह सेमीकंडक्टर की आपूर्ति पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि अभी मारुति के पास 23-24 दिन का भंडार है। इसका उचित स्तर 30 दिन का होता है। कंपनी के लिए इस स्तर को पाना आसान नहीं होगा। कंपनी पहले ही कह चुकी है कि सेमीकंडक्टर की कमी की वजह से सितंबर में उसका उत्पादन सामान्य का 40 प्रतिशत रहेगा। श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल बिक्री पिछले साल से निश्चित रूप से बेहतर रहेगी लेकिन यह 2017-19 के बेहतर वर्षों से काफी पीछे रहेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी त्योहारी सीजन के दौरान नए उत्पाद उतारने की तैयारी कर रही है, उन्होंने कहा कि हम उत्पाद योजना का खुलासा नहीं कर सकते लेकिन जब उत्पाद के मोर्चे की बात होगी, तो हम मजबूत रहेंगे। हम हमेशा नए मॉडल पेश करते रहे हैं। आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा के आटोमोटिव प्रभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय नाकरा ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद बाजार खुलने से कुल मांग सुधरी है। शुरुआती संकेत तो यही बताते हैं कि त्योहारी सीजन अच्छा रहेगा। नाकरा ने त्योहारी मांग में यूटिलिटी वाहनों का अच्छा-खासा योगदान होगा। कुल यात्री वाहनों की मांग में इनका हिस्सा आधा रहेगा। उन्होंने कहा कि अभी हमारा ध्यान उपभोक्ताओं का अनुभव बेहतर करने पर है। हम अपने सभी डिजिटल माध्यम और अन्य उपायों के जरिये उपभोक्ता अनुभव को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी एक वैश्विक मुद्दा है। इससे हमारें ब्रांड के लिए इंतजार की अवधि बढ़ रही है। हम इस चुनौती से प्राथमिकता के आधार पर निपटने को नवोन्मेषी और विश्वसनीय तरीका ढूंढ रहे हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एसोसिएट महाप्रबंधक (एजीएम) बिक्री एवं रणनीतिक विपणन वी वाइसलाइन सिगामनी ने कहा कि मांग धीरे-धीरे सुधर रही है।

रिलायंस जियो के 5 साल: 1300 प्रतिशत बढ़ी डेटा खपत, 93 फीसदी घटी डेटा की कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी):

जियो की पांच सितंबर 2016 को लांचिंग पर मुकेश अंबानी ने 'डेटा इज न्यू ऑयल' का नारा दिया और इस सेक्टर की तस्वीर ही बदल गई। अक्टूबर से दिसंबर 2016 की ट्राई की परफॉरमेंस इंडीकेटर रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि प्रति यूजर डेटा की खपत मात्र 878.63 एमबी थी। सितंबर 2016 में जियो लॉन्च के बाद डेटा खपत में जबर्दस्त विस्फोट हुआ और अब डेटा की खपत 1303 प्रतिशत बढ़कर 12.33 जीबी हो गई।पांच साल पहले जब उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो के लॉन्च की घोषणा की तो किसी को भी गुमान नहीं था कि जियो, देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित होगा। भारत में इंटरनेट की शुरूआत हुए 26 वर्ष बीत गए हैं। कई टेलीकॉम कंपनियों ने इस सेक्टर में हाथ अजमाया, पर कमोबेश सभी कंपनियों का फोकस वॉयस कॉलिंग पर ही था। जियो के मार्केट में उतरने के बाद केवल डेटा की खपत ही नही बढ़ी डेटा यूजर्स की संख्या में भी भारी इजाफा देखने को मिला। ट्राई की ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल पहले के मुकाबले ब्रॉडबैंड ग्राहकों की तादाद चार गुना बढ़ चुकी है। जहां सितंबर 2016 में 19.23 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक थे वहीं जून 2021 में यह 79.27 करोड़ हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना हैं कि डेटा की खपत में बढ़ोतरी और इंटरनेट यूजर्स की तादाद में भारी इजाफे की वजह डेटा की कीमतों में हुई कमी है। दरअसल जियो की लांचिंग से पूर्व तक डेटा की कीमत करीब 160 रुपए प्रति जीबी थी जो 2021 में घटकर 10 रुपए प्रति जीबी से भी नीचे आ गईं यानी पिछले पांच वर्षों में देश में डेटा की कीमतें 93 प्रतिशत कम हुईं। डेटा की कम हुई कीमतों के कारण ही आज देश दुनिया में सबसे किफायती इंटरनेट उपलब्ध कराने वाले देशों की सूची में शामिल है। डेटा की कीमतें कम हुई तो डेटा खपत बढ़ी। डेटा खपत बढ़ी तो डेटा की पीठ पर सवार काम धंधों के पंख निकल आए। आज देश में 53 यूनीकॉर्न कंपनियां हैं जो जियो की डेटा क्रांति से पहले तक 10 हुआ करती थी। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन बुकिंग, ऑर्डर प्लेसमेंट, ऑनलाइन एंटरटेनमेंट, ऑनलाइन क्लासेस जैसे शब्दों से भारत का अमीर तबका ही परिचित था। आज रेलवे बुकिंग खिलड़कियों पर लाइनें नहीं लगती। खाना ऑर्डर करने के लिए फोन पर इंतजार नही करना पड़ता। किस सिनेमा हॉल में कितनी सीटें किस रो में खाली हैं बस एक क्लिक में पता चल जाता है। यहां तक कि घर की रसोई की खरीददारी भी ऑनलाइन माल देख परख कर और डिस्काउंट पर खरीदा जा रहा है। ऑनलाइन धंधे चल निकले तो उनकी डिलिवरी के लिए भी एक पूरा जाल खड़ा करना पड़ा। मोटरसाइकिल पर किसी खास कंपनी का समान डिलिवर करने वाले कर्मचारी का सड़क पर दिखाई देना अब बेहद आम बात है। मोटरसाइकिल के पहिए घूमें तो हजारों लाखों परिवारों को रोजी रोटी मिली। जोमैटो के सीइओ ने कंपनी के आईपीओ लिस्टिंग के महत्वपूर्ण दिन रिलायंस जियो को धन्यवाद दिया। यह धन्यवाद यह बताने के लिए काफी है कि रिलायंस जियो, भारतीय इंटरनेट कंपनियों के लिए क्या मायने रखती है। नेटफ्लिक्स के सीईओ रीड हैस्टिंग्स ने उम्मीद जताई थी कि काश जियो जैसी कंपनी हर देश में होती और डेटा सस्ता हो जाता। रिलायंस जियो ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी सहारा दिया। भुगतान के लिए, आज बड़ी संख्या में ग्राहक नकदी छोड़ कर डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने लगे हैं। इस डिजिटल स्थानांतरण में रिलायंस जियो की महती भूमिका है। वर्ष 2016 के बाद से ही देश में डिजिटल लेन देन का मूल्य और आकार दोनों बढ़े हैं। यूपीआई लेनदेन का मूल्य करीब दो लाख गुना और आकार करीब चार लाख गुना बढ़ा है। जाहिर है तरह तरह के ऐप्स के डाउनलोड में भी भारी वृद्धि देखने को मिली। वर्ष 2016 के 6.5 अरब डाउनलोडेड ऐप्स के मुकाबले यह आंकड़ा 2019 में 19 अरब हो गया।

टेस्ला की कीमत 3,000 डॉलर प्रति शेयर है अगर वे वास्तव में अच्छी तरह से प्रदर्शन करते हैं : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वह आर्क इन्वेस्ट से सहमत हैं कि टेस्ला की कीमत 3,000 डॉलर प्रति शेयर है, अगर वे वास्तव में अच्छी तरह से प्रदर्शन करते हैं। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट, इस हफ्ते आर्क इन्वेस्ट ने एक नया नोट जारी किया जिसमें टेस्ला के लिए 2025 तक 3,000 डॉलर बेस स्टॉक मूल्य लक्ष्य का दावा किया गया। अपने मूल्यांकन मॉडल में, आर्क इन्वेस्ट का मानना है कि टेस्ला 2025 तक 5 से 10 मिलियन वाहनों को वितरित करने जा रही है। फर्म टेस्ला पर पूरी तरह से स्वायत्त राइड-हेलिंग नेटवर्क देने पर भी दांव लगा रही है, जिसे टेस्ला नेटवर्क के रूप में जाना जाता है, जो उच्च मार्जिन के साथ बहुत सारा पैसा लाने वाला है। इलेक्ट्रेक द्वारा प्राप्त टेस्ला कर्मचारी को एक ईमेल में एलोन मस्क ने कर्मचारियों के साथ आर्क के नए 3,000 डॉलर मूल्य लक्ष्य को साझा किया और वह आर्क से सहमत हैं। मस्क ने कहा, अगर हम वास्तव में अच्छी तरह से निष्पादित करते हैं, तो मैं आर्क इन्वेस्ट से सहमत हूं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीईओ ने अक्सर टेस्ला के शेयर की कीमत पर टिप्पणी की है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से अक्सर कहा जाता था कि कीमत बहुत अधिक है। 2020 में, जब टेस्ला का स्टॉक एक नई ऊंचाई पर पहुंच रहा था, तब मस्क ने ट्विटर पर अपने लाखों फॉलोअर्स को बताया कि स्टॉक बहुत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला वर्तमान में 733 डॉलर प्रति शेयर पर कारोबार कर रही है। यह ऑटोमेकर दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटोमोटिव कंपनी है, जिसकी वैल्यू 730 डॉलर बिलियन से अधिक है।

दिवाली तक बढ़ सकते हैं बादाम-पिस्ता के दाम, तालिबान की वजह से महंगा होगा ड्राई फ्रूट्स

नई दिल्ली (एजेंसी):

अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने और कोरोना महामारी एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के चलते अमेरिका से बादाम और पिस्ता का आयात प्रभावित होने से आगामी त्योहारी सीजन खासकर दिवाली तक सूखे मेवे में तेजी का रुख बन सकता है। सूखे मेवे के थोक व्यापारियों को ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी ट्रेडब्रिज के परिचालन प्रमुख स्वप्निल खैरनार ने बताया कि अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम और अमेरिका आमद घटने से सूखे मेवे में तेजी का रुख बनना शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि देश में अधिकांश बादाम अमेरिका से आयात होता है, जबकि अंजीर अफगानिस्तान से आता है। किशमिश की आधी घरेलू मांग अफगानिस्तान से पूरी होती है। पिछले एक महीने से अफगानिस्तान से सूखे मेवे का आयात लगभग बंद है। हालांकि, काजू का भाव अधिक नहीं चढ़ेगा क्योंकि काजू की ज्यादातर मांग देश के उत्पादन से ही पूरी होती है। खैरनार का मानना है कि आगामी दिवाली पर सूखे मेवे में तेजी का रुख रहने से लोग उपहार में सूखे मेवे देने के बजाय अन्य विकल्प चुन सकते हैं। प्रयागराज के चौक स्थित अग्रवाल ड्राई फ्रूट्स कंपनी के स्वामी मधुसूदन अग्रवाल ने हालांकि सूखे मेवे में बहुत अधिक तेजी आने की संभावना यह कहते हुए खारिज कर दी कि अटारी सीमा से अफगान सूखे मेवे का आयात मामूली रूप से प्रभावित हुआ है और अगले 15-20 दिनों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान से आयात होने वाले खड़ा बादाम का फुटकर भाव 800 रुपए प्रति किलो है जोकि पिछले 20 दिनों में 50-60 रुपए बढ़ा है। वहीं अंजीर का भाव 1,000 रुपए से बढ़कर 1,200 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है, जबकि किशमिश 100 रुपए तेजी के साथ 600 रुपए प्रति किलो के भाव है। हालांकि काजू 800 रुपए के भाव पर स्थिर है।

सैमसंग गैलेक्सी वाइड 5 भारत में गैलेक्सी एफ 42 5जी के तौर पर लॉन्च होने की उम्मीद

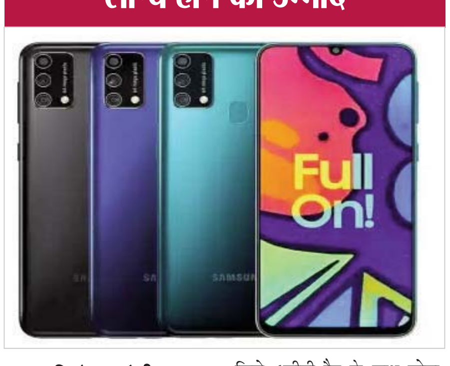

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज सैमसंग के एक नए बजट 5जी स्मार्टफोन गैलेक्सी वाइड5 को पेश करने की उम्मीद है। यह भारत में गैलेक्सी एफ42 5जी के रूप में लॉन्च हो सकता है। गिज्मो चाइना के अनुसार, इसके आधिकारिक अनावरण से पहले, स्मार्टफोन गीकबेंच सर्टिफिकेशन पर आ गया है, जिससे इसके प्रमुख स्पेक्स का पता चलता है। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग गैलेक्सी एफ42 5जी नवीनतम एंड्रॉइड 11 आउट ऑफ द बॉक्स पर चलता है। इसमें 558 सिंगल-कोर अंक और 1513 मल्टी-कोर हैं। लिस्टिंग से पता चलता है कि फोन मीडियाटेक डाइमेंशन 700 एसओसी द्वारा संचालित होगा जिसे 6जीबी रैम के साथ जोड़ा जाएगा। स्मार्टफोन में फूल एचडी प्लस रेजोल्यूशन के साथ इंफिनिटी वी डिस्प्ले है। स्क्रीन का सटीक रिजॉल्यूशन 1080एक्स 2009 पिक्सेल होगा। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए साइड-फेसिंग फिंगरप्रिंट स्कैनर की सुविधा दिया गया है स्मार्टफोन ब्लू कलर वेरिएंट में आ सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एफ42 5जी को हाल ही में गूगल की प्ले कंसोल लिस्टिंग पर देखा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि समान मॉडल नंबर बताते हैं कि वाइड5 और एफ42 5जी एक ही फोन हो सकते हैं, जो अलग-अलग बाजारों में अलग-अलग नामों से आते हैं। वाइड5 दक्षिण कोरिया जा सकता है और एफ42 5जी के भारत में रिलीज होने की संभावना है।

एयरटेल ने 5जी नेटवर्क पर भारत के पहले क्लाउड गेमिंग एक्सपीरियंस का प्रदर्शन किया

5जी पर उद्योग में एक और पहल करते हुए, भारत के प्रीमियर संचार सेवा प्रदाता, भारती एयरटेल (''एयरटेल'') ने आज बताया कि इसने 5जी के परिवेश में भारत का पहला क्लाउड गेमिंग सत्र सफलतापूर्वक संचालित किया। यह प्रदर्शन 5जी के मौजूदा परीक्षणों के तहत मानेसर (गुड़गांव) में किया गया तथा इसमें डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम (भारत सरकार) द्वारा आवंटित स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल किया गया।

अपने अनुभव के बारे में मॉर्टल एवं मांबा ने बताया, ''हम तो पूरी तरह से हैरान रह गए। मोबाईल पर हाई-एंड कंप्यूटर एवं कंसोल-क्वालिटी का गेमिंग अनुभव मिल रहा था। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि 5जी भारत में ऑनलाईन गेमिंग के परिदृश्य की शुरुआत कर देगा और भारत के बाहर गेम्स बनाने व प्रकाशन के अवसर उत्पन्न करेगा। यह छोटे शहरों के अनेक प्रतिभाशाली गेमर्स को इस दौड़ में शामिल करेगा। हमें यह शानदार अनुभव देने के लिए एयरटेल का धन्यवाद।''

5जी क्लाउड गेमिंग के प्रदर्शन के लिए एयरटेल ने भारत के दो सर्वश्रेष्ठ गेमर्स - मॉर्टल (नमन माथुर) और मांबा (सलमान अहमद) के साथ गठबंधन किया। ब्लैकनट से गेमिंग टेक्नॉलॉजी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए मॉर्टल एवं मांबा को एस्फाल्ट पर स्प्रिंट रेसिंग चैलेंज दिया गया, जिन्होंने ब्लेजि़ंग फास्ट एवं अल्ट्रा-लो लेटेंसी 5जी वातावरण में अपने गेमिंग के कौशल का परीक्षण किया। डेमो यहां पर देखें https://youtu.be/TEVrt7bCUE4

मॉर्टल और मांबा को स्मार्टफोन पर इस रोमांचक सत्र में बहुत मजा आया। वो 3500 मेगाहटर्ज़ के हाई कैपेसिटी स्पेक्ट्रम बैंड से जुड़े हुए थे। 5जी टेस्ट नेटवर्क ने 1 गीगाबाईट प्रति सेकंड की स्पीड और 10 मिलीसेकंड की लेटेंसी सीमा प्रदान की।

क्लाउड गेमिंग द्वारा यूज़र्स रियल टाईम में गेम्स को स्ट्रीम कर सकते हैं और खेल सकते हैं। इसके लिए उन्हें ये गेम डाउनलोड नहीं करने पड़ते और न ही गेमिंग हार्डवेयर में भारी निवेश की जरूरत होती है। 5जी नेटवर्क की शुरुआत से क्लाउड गेमिंग की लोकप्रियता बढ़ेगी और यूज़र्स किसी भी जगह से अपने स्मार्टफोन एवं टैबलेट पर हाई-एंड कंसोल गेमिंग जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। अपनी विशाल युवा जनसंख्या, स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग एवं 5जी के विस्तार के साथ भारत में मोबाईल गेमिंग का बाजार 2.4 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। भारत में 436 मिलियन ऑनलाईन गेमर्स से सन 2022 तक 510 मिलियन पहुंच जाएंगे।

इंग्लैंड के गेंदबाजों में थी विविधता की कमी : वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने महसूस किया कि भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट के तीसरे दिन मेजबान टीम के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के पास ऐसे गेंदबाज की कमी है, जो कुछ विकेट ले सके। वॉन ने बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल पॉडकास्ट एपिसोड में कहा, इंग्लैंड में आज विविधता और सही गेंदबाज की कमी थी। मोईन अली के स्पिन में भी कोई दम देखने को नहीं मिला। वॉन ने माना कि जब गेंद स्विंग हो रहा होता है तो इंग्लैंड की गेंदबाजी अच्छी होती है लेकिन जब परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं तो यह शायद ही प्रभावी होती है।46 वर्षीय वॉन ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने पुजारा और रोहित शर्मा को परेशान करने के लिए पर्याप्त छोटी गेंदें नहीं फेंकी । मैं बस चौंक गया हूं। इंग्लैंड की इस टीम में इतना अनुभव है। उन्होंने दोनों बल्लेबाजों को छोटी गेंद फेंकने की आवश्यकता पर ध्यान नहीं दिया। मुझे नहीं लगता कि मैंने ओली रॉबिन्सन को एक भी बाउंसर फेंकते हुए देखा हो। उन्होंने इस सीरीज में दो बार शॉर्ट गेंद से रोहित को आउट किया है।

पैरालंपिक (बैडमिंटन) : फाइनल में हारे यतिराज, रजत से करना पड़ा संतोष

टोक्यो (एजेंसी)।

भारत के सुहास एल. यतिराज को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक में बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल 4 वर्ग के फाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर एक लुकास मजूर से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यतिराज ने पहले गेम में तीन बार के विश्व चैंपियन, फ्रेंचमैन को चौंका दिया और दूसरे और तीसरे गेम में अच्छी बढ़त हासिल की, लेकिन मजूर ने अपने अनुभव का फायदा उठाकर 15-21, 21-17, 21-15 ये यह मैच जीत लिया। यतिराज उत्तर प्रदेश में गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेड हैं। वह काम के बाद ज्यादातर रातों में अभ्यास किया करते थे। पदक समारोह के बाद यतिराज ने कहा, मेरे लिए बहुत ही भावनात्मक एहसास। मैंने अपने जीवन में एक ही समय में कभी भी सबसे ज्यादा खुश और सबसे ज्यादा निराश महसूस नहीं किया है। रजत पदक के कारण सबसे ज्यादा खुश लेकिन सबसे ज्यादा निराश क्योंकि मैं स्वर्ण जीतने से चूक गया। उन्होंने कहा कि भाग्य आपको वह देता है जिसके आप हकदार हैं इसलिए इस समय मैं एक रजत पदक के लायक हूं, इसलिए मैं उसके लिए खुश हूं। यतिराज ने पहले गेम में पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे थे, दूसरे गेम में भी उन्होंने अच्छी शुरुआत की लेकिन वह मैच जीतने में नाकामयाब रहे। मजूर जो 12-15 से एक समय पीछे चल रहे थे, शानदार खेल दिखाते हुए बाद के 11 में नौ अंक हसिल कर दूसरे गेम को 21-17 से जीत लिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी यतिराज को थोड़ा फायदा हुआ और वह बीच में आगे चल रहे थे। लेकिन मजूर ने फिर 13-13 से स्कोर को बराबर कर दिया फिर बाद में उन्होंने खेल, मैच और स्वर्ण पदक 21-15 से जीत लिया। यतिराज ने कहा कि वह समारोह में बज रहे राष्ट्रगान को सुनने से चूक गए। आप यही प्रार्थना और आशा करते हैं और यही आप सपने देखते हैं। जैसा कि मैंने कहा कि मैं अपने जीवन में कभी भी अधिक निराश और अधिक खुश नहीं हुआ, अब तक इतना करीब आ रहा हूं। अभी भी पैरालंपिक खेलों का रजत पदक जीत रहा हूं यह कोई छोटी बात नहीं है। मैंने जो किया है, उसके लिए मुझे बेहद गर्व और खुशी है।

बीएआई ने थॉमस और उबर कप और सुदीरमन कप के लिए टीम की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने रविवार को डेनमार्क में 9-17 अक्टूबर तक होने वाले थॉमस और उबेर कप फाइनल के लिए टीमों की घोषणा की। स्टार भारतीय शटलर साइना नेहवाल और बी साई प्रणीत महिला और पुरुष टीमों की अगुवाई करेंगे। बीएआई ने 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक फिनलैंड में होने वाले सुदीरमन कप के लिए 12 सदस्यीय भारतीय टीम की भी घोषणा की है। थॉमस और उबर कप के लिए, लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता नेहवाल के साथ ट्रायल से शीर्ष -3 एकल रैंक - मालविका बंसोद, अदिति भट्ट और तसनीम मीर - के साथ 10 सदस्यीय महिला टीम में तनीषा सहित तीन युगल जोड़े होंगे। क्रैस्टो और रुतुपर्णा पांडा भी शामिल हैं, जिन्होंने ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया। थॉमस और उबर कप और सुदीरमन कप के लिए खिलाड़ियों का चयन हाल ही में समाप्त हुए ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया था, इसके अलावा खिलाड़ियों/जोड़ियों के चयन के अलावा, जिन्हें विश्व रैंकिंग में शीर्ष -20 में हैं उन्हें शामिल किया गया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को टीम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उन्होंने अपना नाम शामिल नहीं करने का अनुरोध किया था। बीएआई के महासचिव अजय सिंघानिया ने कहा, शीर्ष क्रम के भारतीयों के अलावा, हमने ट्रायल में उनके लगातार प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया है। खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है और ट्रायल में शीर्ष रैंकिंग अर्जित की है। मेरा मानना है कि ये युवा सीनियर शटलर के साथ एक अच्छा संयोजन बनाएंगे और सभी नए चेहरों को थॉमस, उबेर कप के साथ-साथ सुदीरमन कप जैसे शीर्ष स्तरीय टूनार्मेट खेलने का अनुभव मिलेगा। थॉमस कप में, भारतीय टीम को ग्रुप सी में गत चैंपियन चीन के साथ रखा गया है, जिसमें नीदरलैंड और ताहिती अन्य दो टीमें हैं। उबर कप में महिला टीम को थाईलैंड, स्पेन और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वहीं, सुदीरमन कप के 17वें संस्करण के लिए 12 सदस्यीय टीम में श्रीकांत, प्रणीत और सात्विकसाईराज और चिराग की युगल जोड़ी के साथ ट्रायल से शीर्ष क्रम की युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और एमआर अर्जुन को टीम में रखा गया है। उन्होंने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर टीम में जगह बनाई है।

US Open : नम्बर एक बाट्री तीसरे दौर में बाहर, जोकोविच चौथे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क (एजेंसी) :

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी और विम्बलडन चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बाट्री वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में शनिवार को हारकर बाहर हो गईं। बाट्री को गैर वरीयता प्राप्त अमेरिका की शेल्बी रोजर्स ने 6-2, 1-6, 7-6 (5) से हराया। रोजर्स ने इससे पहले बाट्री से अपने पिछले सभी पांच मुकाबले गंवाए थे जिनमें से चार पराजय तो इसी साल की हैं। विश्व में 43 वें नंबर की खिलाड़ी रोजर्स निर्णायक सेट में 2-5 से पिछड़ी हुई थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सेट को टाई ब्रेक में खींचा और टाई ब्रेक को 7-5 से जीतकर बाट्री को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुषों में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जापान के केई निशिकोरी को 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर बाट्री जैसी स्थिति नहीं आने दी।

पैरालंपिक: कृष्णा नागर ने टोक्यो में भारत का पांचवां स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो (एजेंसी)।

बुधवार को टोक्यो पैरालंपिक खेलों में कृष्णा नागर ने पुरुष एकल एसएच 6 वर्ग के फाइनल में तीन कड़े मुकाबले में हांगकांग चीन के चू मान काई को हराकर बैडमिंटन कोर्ट में रविवार के दिन भारत का दूसरा और कुल पांचवां स्वर्ण पदक जीता। सुहास यतिराज ने सुबह एसएल 4 में रजत पदक जीता। योयोगी नेशनल स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट से एक और स्वर्ण पदक के लिए भारत की उम्मीदें जयपुर के 22 वर्षीय खिलाड़ी पर निर्भर थी। उन्होंने 43 मिनट में चू को 2-1 से हरा कर शानदार पाली खेली और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पहला गेम जीतने वाले नागर ने 2014 में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और तीन साल बाद इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने रविवार को मैच और स्वर्ण पदक जीतने के लिए चू मान काई को 21-17, 16-21, 21-17 से हराया। प्रमोद भगत ने शनिवार को एसएल 3 में स्वर्ण पदक जीता और मनोज सरकार ने उसी वर्ग में कांस्य पदक जीता, यह टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में बैडमिंटन में भारत का चौथा पदक है। भारत ने अब तक 5 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक अपने नाम कर लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोच रवि शास्त्री से साथ टीम इंडिया के चार सपोर्ट स्टाफ आइसोलेशन में

नई दिल्ली। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने रविवार को कहा है कि रवि शास्त्री का लेटरल फ्लो टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ के चार सदस्य आइसोलेशन में रहेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक बयान में कहा, रवि शास्त्री (हेड कोच), बी अरुण (बॉलिंग कोच), आर श्रीधर (फील्डिंग कोच), और नितिन पटेल (फिजियोथेरेपिस्ट) को एहतियात के तौर पर शास्त्री के लेटरल फ्लो टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद अलग कर दिया है। उनका आरटी-पीसीआर टेस्ट हुआ है और वे टीम होटल में रहेंगे और टीम इंडिया के साथ तब तक यात्रा नहीं करेंगे जब तक कि मेडिकल टीम से पुष्टि नहीं हो जाती। शाह ने कहा, टीम इंडिया दल के शेष सदस्यों के दो लेटरल फ्लो टेस्ट - एक कल रात और दूसरा आज सुबह किया गया है। शाह ने आगे कहा, टेस्ट कि रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद बाकि सदस्यों को ओवल में चल रहे चौथे टेस्ट के चौथे दिन के लिए आगे बढ़ने की अनुमति दी गई।

इंग्लैंड के गेंदबाजों में थी विविधता की कमी : वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने महसूस किया कि भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट के तीसरे दिन मेजबान टीम के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के पास ऐसे गेंदबाज की कमी है, जो कुछ विकेट ले सके। वॉन ने बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल पॉडकास्ट एपिसोड में कहा, इंग्लैंड में आज विविधता और सही गेंदबाज की कमी थी। मोईन अली के स्पिन में भी कोई दम देखने को नहीं मिला। वॉन ने माना कि जब गेंद स्विंग हो रहा होता है तो इंग्लैंड की गेंदबाजी अच्छी होती है लेकिन जब परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं तो यह शायद ही प्रभावी होती है। 46 वर्षीय वॉन ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने पुजारा और रोहित शर्मा को परेशान करने के लिए पर्याप्त छोटी गेंदें नहीं फेंकी । मैं बस चौंक गया हूं। इंग्लैंड की इस टीम में इतना अनुभव है। उन्होंने दोनों बल्लेबाजों को छोटी गेंद फेंकने की आवश्यकता पर ध्यान नहीं दिया। मुझे नहीं लगता कि मैंने ओली रॉबिन्सन को एक भी बाउंसर फेंकते हुए देखा हो। उन्होंने इस सीरीज में दो बार शॉर्ट गेंद से रोहित को आउट किया है। भारत का तीसरे दिन स्टंप्स पर 270/3 का स्कोर रहा। मेहमानो के पास अब 171 की बढ़त है और सात विकेट शेष हैं।

द्विपक्षीय सीरीज के लिए बांग्लादेश पहुंची अफगानिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम

(एजेंसी) ।

अफगानिस्तान अंडर-19 टीम एक सीरीज में हिस्सा लेने के लिए बांग्लादेश पहुंचना शुरू हो गई है। वे तालिबान के अधिग्रहण के बाद विदेश में सीरीज खेलने वाले पहली अफगानी टीम भी बन जाएंगे। अफगानिस्तान अंडर-19 को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 10 से 25 सितंबर तक बांग्लादेश अंडर-19 के खिलाफ 5 वनडे मैच और एक चार दिवसीय मैच खेलना है। तालिबान के अधिग्रहण ने देश में काफी बवाल मचा दिया है और क्रिकेट का भविष्य बादलों के घेरे में है। हालांकि यह दौरा अफगान क्रिकेट बिरादरी के लिए एक सकारात्मक खबर के रूप में आया है। लेकिन देश में महिला क्रिकेट का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। आगामी सीरीज के लिए अफगान खिलाड़ियों का एक सेट पहले ही ढाका पहुंच चुका है। रिपोर्टों के अनुसार अन्य दो समूह कुछ दिनों में पहुंच जाएंगे। ढाका पहुंचने के तुरंत बाद क्रिकेटर्स सिलहट के लिए रवाना हो गए। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रवक्ता रबीद इमाम ने कहा, आठ खिलाड़ियों का पहला समूह आज ढाका पहुंचा। शेष खिलाड़ी दो अन्य समूहों में पहुंचेंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार अफगान खिलाड़ी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखे गए। 2020 में अंडर 19 विश्व कप में जीत के बाद बांग्लादेश अंडर 19 टीम की भी यह पहली सीरीज है।

पैरालंपिक निशानेबाजी: सिद्धार्थ बाबू फाइनल में 0.2 अंक से चूके

टोक्यो (एजेंसी)।

सिद्धार्थ बाबू आर 6-मिक्स्ड 50 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच 1 के फाइनल में 0.2 अंक से चूक गए। इसी के साथ भारत ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में शूटिंग प्रतियोगिताओं में रविवार को अपने अभियान को पांच पदकों के साथ समाप्त किया। बाबू क्वालीफाइंग चरण में 617.2 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे। बाबू, किकबॉक्सिंग प्रशिक्षक और इसी खेल में ब्लैक बेल्ट भी हैं। 2002 में एक मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद उन्हें पैरापलेजिया नाम के बीमारी से जूझना पड़ा था। बाबू,103.3, 101.3, 102.8, 103.5 और 103.3 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहें। भारत ने पैरालंपिक खेलों में निशानेबाजी में अपने अभियान को पांच पदक- दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। अवनि लेखारा और मनीष नरवाल ने स्वर्ण पदक जीते जबकि सिंहराज अधाना ने रजत और कांस्य पदक जीता। फिर बाद में अवनी ने एक और कांस्य पदक जीता। यह पहली बार है जब भारत ने पैरालंपिक खेलों में निशानेबाजी में पदक जीते हैं।

अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताना राहुल को महंगा पड़ा

ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल को अंपायर के फैसले पर अहसमति जताना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने राहुल पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। यह मामला भारत की दूसरी पारी के दौरान हुआ। इसमें रोहित और राहुल के बीच 83 रनों की साझेदारी हुई थी। तभी इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की अपील पर राहुल को नाट आउट करार दिया गया था पर रिव्यू में थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया। इससे राहुल नाराज दिखे। अंपायर के इस फैसले से महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी हैरान हो गये। जब इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) लिया तो उसके बाद तीसरे अंपायर ने स्निको मीटर की सहायत ली और उसमें दिखा कि गेंद जब राहुल के बल्ले के पास से गुजरी तो स्निको मीटर की रेखाओं में हरकत हुई है। इसके बाद थर्ड अंपायर ने राहुल को आउट करार दिया।

टोक्यो पैरांलिपक : लेखरा और 2 अन्य निशानेबाज फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने से चूके

टोक्यो (एजेंसी) ।

कोई भी भारतीय निशानेबाज रविवार को यहां पैरालंपिक की मिश्रित 50 मीटर राइफल प्रोन एसएच1 स्पर्धा के फाइनल्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका जबकि स्टार अवनि लेखरा क्वालीफिकेशन में 28वें स्थान पर रहीं। इससे भारत का निशानेबाजी में ऐतिहासिक अभियान भी समाप्त हो गया जिसमें देश के नाम 5 पदक रहे। सिद्धार्थ बाबू क्वालीफाई करने के करीब पहुंचे लेकिन वह मामूली 0.2 के अंतर से पिछड़ गए जिससे वह क्वालीफिकेशन दौर में नौंवे स्थान पर रहे। बाबू ने 617.2 अंक का स्कोर बनाया और वह चीन के चाओ डोंग (617.4) से महज 0.2 अंक पीछे रहे। वहीं 10 मीटर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशंस में कांस्य पदक जीतकर स्टार बनीं लेखरा ने 612 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह 28वें स्थान पर रहीं। इस 19 साल की निशानेबाज लेखरा ने अपने पदार्पण में खेलों में शानदार प्रदर्शन किया जो निशानेबाजी का पदक और खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी। तीसरे भारतीय निशानेबाज दीपक 602.2 के स्कोर से 46वें स्थान पर रहे। एसएच1 राइफल स्पर्धा में वही एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनके पैरों में विकार हो जिसमें दुर्घटना में उनका पैर काटना पड़ा हो या पैरों में लकवा मार गया हो। मिश्रित स्पर्धा में महिला और पुरूष दोनों निशानेबाज हिस्सा लेते हैं। इस तरह भारतीय निशानेबाजी अभियान दो स्वर्ण सहित पांच पदक के साथ समाप्त हुआ। लेखरा के अलावा 19 साल के मनीष नरवाल ने पुरूषों की 50 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। सिंघराज अडाना ने भी प्रतिस्पर्धा में दो पदक जीते, उन्होंने 50 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा का रजत और 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा का कांस्य पदक जीता।

रोहित शर्मा ने खेल को टीम के जरुरत के हिसाब से खेला: जहीर खान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच द ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के दूसरी पारी में रोहित शर्मा ने शानदार शतक लगाते हुए 127 रन की पारी खेली जिसे खूब सराहा जा रहा है। पूर्व भारतीय गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि रोहित तीसरे दिन के खेल को टीम के जरुरत के हिसाब से खेला।34 वर्षीय बल्लेबाज रोहित ने कठीन परिस्थितियों में बल्लेबाजी को आसान बनाते हुए उन्होंने टेस्ट में अपने 3000 रन भी पूरे कर लिए। जहीर खान ने क्रिकबज चैटर में बात करते हुए कहा, उनके इरादे साफ थे। उन्होने वहां परिस्थितियों को समझा और नए गेंद खेलते समय उन्होंने अपने आप को समय दिया बाहर जाने वाली गेंदों को उन्होंने जाने दिया और उसी गेंद को खेला जो उनके क्षेत्र में था। जहीर ने आगे कहा, द ओवल की पिच में बाउंस होती है, रोहित शर्मा को बाउंस और तेज गति से आने वाली गेंदे पसंद है और उन्होंने खेल को टीम के जरुरत के हिसाब से खेलते हुए शानदार शतक लगाया।

तीन साल से जमीनों पर कब्जे का मुद्दा उठा रहे, पर मिल रहा सिर्फ आश्वासन

सूरत।

महानगर पालिका जनप्रतिनिधियों की बात भी नहीं सुन रही है। हर संकलन की बैठक में विधायक बार-बार मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। शनिवार को मनपा आयुक्त बंछानिधि पाणी के नेतृत्व में हुई संकलन की बैठक में एक बार फिर से मनपा की जमीनों पर अवैध कब्जे का मुद्दा सूरत पूर्व के विधायक अरविंद राणा ने उठाया। इस बार भी उन्हें सिर्फ आश्वासन मिला। विधायक अरविंद राणा यह मुद्दा संकलन की तीन बैठकों में उठा चुके हैं। यही नहीं कतारगाम के विधायक वीनू मोरड़िया मनपा की जमीनों पर अवैध कब्जे का मुद्दा तीन साल से उठा रहे हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। मनपा की स्थायी समिति की बैठक में बताया गया था कि मनपा की ९० जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है, लेकिन इन्हें स्थायी रूप से हटाने की कोई व्यवस्था नहीं है। मनपा अतिक्रमण हटाती है, लेकिन फिर से कब्जा कर लिया जाता है। लिंबायत की विधायक संगीता पाटिल ने भी शनिवार की बैठक में यह मुद्दा उठाया। विधायक अरविंद राणा, वीनू मोरडिया, संगीता पाटिल, झंखना पटेल के कार्यकाल के चार साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन इनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का अब तक समाधान मनपा नहीं कर पाई है। चौर्यासी की विधायक झंखना पटेल अवारा पशुओं के खिलाफ पिछले ७ साल से शिकायत कर रही हैं, लेकिन समस्या आज भी वहीं की वहीं है। शनिवार को हुई संकलन की बैठक में गुस्साई झंखना पटेल ने कहा कि सूरत स्मार्ट सिटी है, लेकिन चौर्यासी क्षेत्र में वीआईपी रोड, डूमस जैसे क्षेत्रों में आवारा पशु घूमते रहते हैं। संकलन की बैठक में बार-बार मुद्दा उठाने के बाद भी आज तक इस समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। इसका जवाब यह दिया गया कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। कतारगाम के विधायक वीनू मोरडिया ने मनपा की जमीनों पर अवैध कब्जे का मुद्दा तीन साल से उठा रहे हैं वह मनपा की टीपी में अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ लैंडग्रेबिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा अमरोली से सायण जाने वाले रास्ते पर स्थित रेलवे फाटक पर जाम लगा रहता है। इसके समाधान के लिए वह दो साल से संकलन की बैठक में मुद्दा उठाते आ रहे हैं। उस सड़क को चौड़ी करने का काम पिछले २ साल से चल रहा है। उन्होंने कहा कि वेड-कतारगाम दरवाजे के ओवर ब्रिज के नीचे अवैध कब्जा लिया गया है। बीआरटीएस का काम चल रहा है, उसके बावजूद कुछ असामाजिक तत्वों ने कब्जा किया हुआ है। उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। मोरडिया द्वारा इन मुद्दों को बार-बार उठाने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है।

१०० दिन वेंटिलेटर पर रहे, दो बार दिल का दौरा भी पड़ा

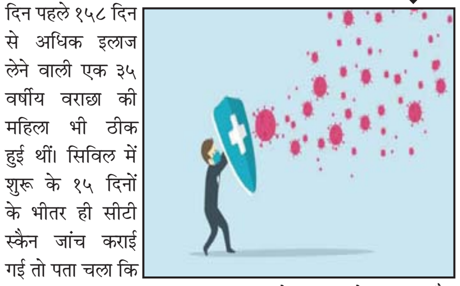

सूरत।

कोरोना से लंबी लड़ाई जीतकर शुक्रवार को घर लौटे २५ वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर जीतेंद्र भलानी का परिजनों ने विजय तिलक लगाकर स्वागत किया। जीतेंद्र १२८ दिनों के इलाज में १२६ दिन आईसीयू में रहे। इस दौरान उन्हें १०० दिन वेंटिलेटर पर रखा गया। उनके ठीक होने के बाद परिजनों में खुशी है। उनके फेफड़ों में ९८% संक्रमण फैल गया था। वेंटिलेटर पर बेहोशी की हालत में इलाज चलता रहा। इलाज के दौरान उन्हें दो बार दिल का दौरा भी पड़ा था। डॉक्टरों ने दो बार सीपीआर दिया, दोनों फेफड़ों में दो-दो आईसीडी भी डाली। इससे एक दिन पहले १५८ दिन से अधिक इलाज लेने वाली एक ३५ वर्षीय वराछा की महिला भी ठीक हुई थीं। सिविल में शुरू के १५ दिनों के भीतर ही सीटी स्कैन जांच कराई गई तो पता चला कि जीतेंद्र के फेफड़ों में ९८% संक्रमण फैल गया है। इससे हालत आए दिन नाजुक होती चली गई। आखिरकार शुक्रवार को वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गए। उनकी तमाम रिपोर्ट निगेटिव आई। उसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज करने का निर्णय लिया। वह अब पूरी तरह से स्वस्थ होकर घर लौट आए हैं। जीतेंद्र भलानी एमसीए करने के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर का काम कर रहे थे। २३ अप्रैल २०२१ को उनकी तबीयत खराब हुई तो लाल दरवाजा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई।

पांच दिन पहले ही बिहार से आए बच्चे ने भी दम तोड़ा

सूरत।

बुखार व उल्टी-दस्त से शनिवार को एक बच्चे और बुजुर्ग की मौत हो गई। दो दिनों में बुखार और उल्टी-दस्त से तीन की जान जा चुकी है। शनिवार को पांडेसरा के ११ वर्षीय बच्चे और अडाजन के एक ५६ वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इससे पहले शुक्रवार को लिंबायत के ३५ वर्षीय युवक की इन्हीं कारणों से मौत हो गई थी। पांडेसरा के बच्चे को बुखार आने के बाद हाथ-पैर में तेज दर्द शुरू हुआ था। इलाज से पहले ही उसकी जान चली गई।

वह ३० अगस्त को ही अपने मूल राज्य बिहार से सूरत आया था। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को उसे मामूली बुखार हुआ था। शुक्रवार रात हाथ-पैर में तेज दर्द शुरू हुआ। शनिवार सुबह आनन-फानन में उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पांडेसरा के कृष्णा नगर का ११ वर्षीय शुभम शर्मा मूल रूप से बिहार का निवासी था। वह चौथी में पढ़ता था। गुरुवार को उसे हल्का बुखार हुआ। शुक्रवार रात हाथ-पैर में तेज दर्द शुरू हुआ। परिजनों का कहना है कि गंभीर हालत में बच्चे को पास के एक निजी अस्पताल ले गए। बाद में १०८ एंबुलेंस से सिविल ले गए। सिविल की ऑन ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर स्नेहा ने बताया कि बच्चा अस्पताल लाने से पहले ही मर चुका था। परिजनों ने बताया कि उसे २ दिन से डायरिया और फीवर की शिकायत थी। अडाजन के हनी पार्क की निवासी ५६ वर्षीय राकेश भाई बसंत गांधी को २ से ४ दिन पहले बुखार था। नजदीक के दवाखाना से इलाज

करा रहे थे। शनिवार सुबह तबीयत ज्यादा खराब हुई तो सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लिंबायत के नीलगिरि निवासी हेमंत पाटिल की बुखार व उलटी-दस्त से शुक्रवार को मौत हुई थी। वह मूल रूप से महाराष्ट्र का निवासी था। उसकी तबीयत दो दिन से खराब थी। उल्टी-दस्त के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

गाय के मुद्दे पर गुजरात में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने

अहमदाबाद।

हिंदुत्व के बाद गुजरात में अब भाजपा और कांग्रेस गाय के मुद्दे पर आमने-सामने हैं। उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि उनकी सरकार ने गुजरात में गोवध प्रतिबंधित कर कसाइयों को जेल भेजने का काम किया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष परेश धनाणी ने कहा कि भाजपा केवल राम व गाय के मुद्दे पर राजनीति करती है। जनता उन्हें आगामी चुनाव में सबक सिखाएगी। कांग्रेस २०२२ के चुनाव से पहले गुजरात बचाओ अभियान शुरू करेगी। उपमुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि गाय हजारों वर्षों से पूजनीय है। सरकार गौशालाओं को अनुदान देती है। सरकार गौशालाओं को सस्ता चारा व पोषाहार उपलब्ध कराती है। गौसेवा हमारा संस्कार है। गौरक्षा के लिए जनसंघ के जमाने से हम संघर्ष करते आए हैं। कोरोना महामारी के दौरान भी गौशालाओं को सभी तरह की मदद दी गई। नेता विपक्ष परेश धनाणी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। सिर्फ राम व गाय के मुद्दे पर राजनीति करती है। गुजरात में विकास के नाम पर भय व भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। गत दिनों उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि देश में लोकतंत्र, संविधान, कानून व पंथनिरपेक्षता तभी तक सुरक्षित है जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं। उनके इस बयान का समर्थन करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने अफगानिस्तान में तालिबान का उदाहरण देते हुए कहा था कि आज वहां कोई कानून और संविधान नहीं है। तालिबानियों ने बंदूक के दम पर सत्ता पर काबिज हो गए। पाटिल ने कहा कि नीतिन भाई ने हालात को देखते हुए भविष्य की आशंकाओं से आगाह किया है। उपमुख्यमंत्री के इस बयान को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि २५ साल से भाजपा सत्ता में है मुद्रदों के बजाए अब ऐसे विवाद खडे कर रहे हैं। जनसंख्या किसी राज्य की नहीं देश की समस्या है, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य व जागरुकता कम है वहां इसकी समस्या है। केरल, तमिलनाडु, जम्मू कश्मीर में ऐसी समस्या नहीं है। मोढवाडिया का यह भी कहना है कि देश संविधान से चलता है किसी की मर्जी से नहीं। भाजपा को महंगाई, गरीबी, बेकारी, कोरोना में अपनों को खोने वालों की बात करनी चाहिए बजाए संवेदनशील मुद्दों के। देश हजारों सालों से है, कई हमलावर आए, चले गए या यहीं पर बस गए लेकिन हिंदुस्तान आज भी वैसा ही है।

सूरत भूमि,सूरत। उधना विजया नगर 1 उजलेश्वर महादेव मंदिर द्वारा सावन के महीने में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

साणंद के महाराजा जयशिवसिंह वाघेला का निधन

अहमदाबाद।

साणंद के राजवी जयशिवसिंह वाघेला का गत दिन देर शाम को दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। महाराजा जयशिवसिंह वाघेला का अंतिम संस्कार आज साणंद के राजवी परिवार के श्मशान में किया गया। महाराजा जयशिवसिंह की अंतिमयात्रा पहले साणंद स्टेट के कुंवर जयशिवसिंह के बेटे ध्रुवराजसिंह का राजतिलक किया गया। दरबारगढ में साणंद के राजवी परिवार की आराध्य देवी महाकाली माताजी के सान्निध्य में परिवार के लोगों द्वारा परंपरागत और शास्त्रोक्त विधि के अनुसार राजतिलक की विधि की गई थी। राजतिलक की विधि के बाद महाराजा जयराजसिंह के नश्वर देह का अंतिम दर्शन के लिए दरबारगढ के परिसर में रखा गया था। अंतिम दर्शन के बाद दरबार गढ से अंतिम यात्रा साणंद के मुख्य मार्गों पर से जाकर राजवी परिवार के श्मशान में पहुंची थी। जहां कई रजवाडा के राजवी परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। गुजरात भाजपा के महामंत्री प्रदीपसिंह वाघेला, साणंद के विधायक कनु पटेल, गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता जयराज सिंह परमार अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे थे। ठाकोर साहब जयशिवसिंह के निधन के शोक में साणंद की सभी बाजार बंद रही थी। साणंद और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग जयशिव सिंह की अंतिम यात्रा में शामिल हुए थे। महाराजा जयशिवसिंह का बचपन माउंटआबू में बीता था। उनकी प्राथमिक तक की पढ़ाई माउंटआबू में हुआ था। माउंटआबू से किशोर अवस्था में वह राजकोट गये थे। कॉलेज की पढ़ाई अजमेर की मेयो कॉलेज किया था। वह शोर्ट गन शूटिंग में नेशनल चैंपियन इन जुनियर रह चुके हैं।

विवाहिता को सास और ननंद के अत्याचार की शिकायत

अहमदाबाद।

पिछले कई दिनों से सप्ताह में कई विवाहितों की शिकायत पुलिस के समक्ष आ रही है। अधिकतर कानून मामले की समझ बढ़ने पर और अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठे रहने की हिम्मत बढ़ने पर नई पीढ़ी की कई विवाहिता खुलकर अपने ससुराल वाले के दहेज तथा अन्य मामले में अत्याचार कर रहे है। ऐसा ही एक और एक मामला अहमदाबाद के वासणा में देखने को मिला है। जिसमें विवाहिता ने पति, सास-ससुर, ननंद और नंनदोई के खिलाफ महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। विवाहिता ने अपनी शिकायत में बताया है कि शादी के बाद पति सहित सभी लोगों ने दहेज मामले में ताना मारते थे और शारीरिक और मानसिक अत्याचार करते थे। पुलिस शिकायत के अनुसार वासणा क्षेत्र में रहती ३० वर्षीय विवाहित के २०१६ में राजपथ क्लब में शादी हुई थी। शादी में २५ तोला गहना, एक्टिवा और तीन किलो चांदी सहित दिया था। जिससे लेकर गांधीनगर में ससुराल में रहने गई थी। दो महीने तक ससुराल में अच्छे तरीके से रखने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके गहने लेकर और लोकर में रख दिया था। सास अक्सर छोटी बात में ताना मारती थी। तुझे कोई काम नहीं आता है। तु डोबा जेवी रोली है और तेरे मां-पिता ने डोबु भटकाडी दिया है यह कहकर मानसिक अत्याचार करते थे। महिला ने अपनी शिकायत में आगे बताया है कि एक दिन ननंद के बेटे के लिए एक्टिवा लेकर दूध लेने जा रही थी तब बीच में गाय आने पर नीचे गिर गई थी। घुटने में चोट लगने पर गांधीनगर प्राथमिक उपचार देकर विवाहिता को अहमदाबाद उपचार के लिए भेज दिया था। डेढ़ महीना तब वहां रही थी तब ससुराल वाले खबर पूछने के लिए भी नहीं आये थे। बेड रेस्ट के लिए डॉक्टर ने कहने पर भी सास तेरा नाटक है यह कहती थी। ननंद निकट में ही रहते होने से घर पर आकर उकसाते थे। ससुराल वालों का अत्याचार बढ़ने पर विवाहिता ने अपने माइके में मां-पिता से बात की थी। जिसकी वजह से विवाहिता ने अपने मां-पिता को घर पर बुलाया था क्या बातचीत करके समाधान कराया लेकिन अत्याचार चालू रहा। पांच महीना फिर से अच्छा रखने के बाद इसके नौकरी के वेतन की जमा कराई गई एफडी तोड़कर पैसा देने के लिए कहा। बाद में इसकी सास ससुर अलग रहने गये थे और विवाहिता ऊपर की मंजिल पर अकेली रहती थी। तब भी जैसे तैसे बोलकर घर खाली कर देने के लिए अत्याचार करने पर आखिर में परेशान होकर महिला ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

मेट्रो-बुलेट के लिए ६५०० से अधिक पेड़ कटे

अहमदाबाद में पिछले ५ सालों में मेट्रो रेल के लिए २२०० और बुलेट ट्रेन के लिए ४३०० पेड़ काटे गए थे

अहमदाबाद।

अहमदाबाद और गांधीनगर में मेट्रो और बुलेट ट्रेन के जायंट प्रोजेक्ट चल रहा है, लेकिन विकास प्रोजेक्ट को पूरा करने से पहले अहमदाबाद से ६५०० पेड़ों की कटाई की गई। अब गांधीनगर तक मेट्रो ट्रेन पहुंचाने के लिए और एक हजार पेड़ों को काटने के मंजूरी प्रक्रिया चल रही होने की जानकारी प्राप्त हुई है। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद को ग्रीनसिटी बनाने के लिए प्रशासन प्रयासरत है। साथ ही विकास के कामों को भी तेज गति प्रदान करने के लिए अलग-अलग प्रोजेक्ट शुरू किए गए है। जिसमें अहमदाबाद में मेट्रो रेल और बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट में अहमदाबाद में पिछले ५ सालों में मेट्रो रेल के लिए २२०० और बुलेट ट्रेन के लिए ४३०० पेड़ काटे गए थे, जिसमें २०१६-१७ में मेट्रो के लिए सर्वाधिक ७९२ पेड़ काटे गए थे। जबकि ५ साल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए अहमदाबाद में ही ४३०० पेड़ काटे गए थे। वर्ष २०२०-२१ में ही २८१७ पेड़ काटे गए। इस तरह अहमदाबाद में मेट्रो और बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए ६५०० पेड़ों की कटाई की गई है। अब अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए पाटनगर से एक हजार से अधिक वृक्षों की कटाई का समय आ गया है। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के एलाईमेंट में आने वाले एक हजार पेड़ों को काटने के लिए गुजरात राज्य के वन विभाग ने हरी झंडी दे दी है। लेकिन केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही इन पेड़ों की कटाई रातोरात संभव है। अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को २०२२

तक कार्यरत करने के लिए राज्य सरकार की योजना है। जिसके अनुसार बड़े पैमाने पर अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन का काम काज शुरू किया गया है। वर्तमान में इस प्रोजेक्ट का प्राथमिक काम शुरू किया गया है जिसके चलते एलाइमेंट में आने वाले एक हजार से पेड़ों की कटाई की मंजूरी राज्य सरकार की ओर से प्रदान किए जाने की जानकारी मिली है।

टेक्सेल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड खेड़ा स्थित 10,080 मीट्रिक टन की ज्योसिंथेटिक प्रोडक्ट युनिट का कमर्शियल संचालन शुरू करेगी

अहमदाबाद । 1989 में स्थापना तथा टेकनिकल टेक्सटाईल्स में तीन दशक से अधिक अनुभव के साथ टेक्सेल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, सितम्बर 2021 तक गुजरात के खेड़ा स्थित ज्योसिंथेटिक प्रोडक्ट्स के लिए अपनी 10,080 मीट्रिक टन सुविधा का कमर्शियल संचालन शुरू करने जा रही है। कंपनी इस विस्तार के लिए रु 29.92 करोड़ का निवेश करेगी तथा भीतरी स्रोतों एवं ऋण के ज़रिए पहले से रु 14.73 करोड़ की राशि जुटा चुकी है। इस विस्तार कार्य के पूरा होने के बाद कंपनी की इन्स्टॉल्ड क्षमता दोगुनी होकर 19,000 मीट्रिक टन सालाना के आंकड़े को पार कर जाएगी।

कंपनी ने राइईस ईश्यू से रु 12.49 करोड़ जुटाने की योजना बनाई है, जो 31 अगस्त से 14 सितम्बर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध है। राईट्स ईश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग खेड़ा सुविधा के प्रस्तावित विस्तार के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने रु 40 प्रति इक्विटी शेयर (रु 30 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के ईश्यू प्राइस पर (रु 10/ के फेस मूल्य) 31,22,398 आंशिक भुगतान वाले इक्विटी शेयर्स जारी करने की योजना भी बनाई है। प्रस्तावित राईट्स ईश्यू के लिए राईट्स एन्टाईटलमेन्ट रेशो 55~92 है यानि रिकार्ड दिनांक 17 अगस्त 2021 को इक्विटी शेयरधारक के प्रत्येक 92 इक्विटी शेयर्स के लिए रु 10 प्रति पर 55 राईट्स इक्विटी शेयर्स। 2 सितम्बर 2021 को शेयर्स की क्लोज़िंग कीमत रु 70.25 प्रति शेयर थी।

इस अवसर पर श्री शैलेश मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर, टेक्सेल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने कहा, "खेड़ा में हमारी नई युनिट का विस्तार निर्धारित योजना के अनुसार चल रहा है और हमने सितम्बर 2021 के अंत तक कमर्शियल संचालन शुरू करने की याजना बनाई है। इस विस्तार के पूरा होने के बाद कंपनी की इन्स्टॉल्स क्षमता दोगुनी होकर 19,000 मीट्रिक टन सालाना से भी अधिक हो जाएगी। स्थायित्व की दिशा में अपने सतत प्रयासों को जारी रखते हुए टेक्सेल अब अपने प्रोडक्ट मिश्रण का विस्तार कर रहा है, जिसमें कई नए प्रोडक्ट्स जैसे रूफ टाईल अंडरले, लम्बर रैप और वॉटर रिज़रवॉयर के लिए फ्लोटिंग कवर शामिल हैं। फ्लोटिंग कवर, फार्म पोंड और वॉटर रिज़रवॉयर (खेत के तालाब और पानी के भण्डार) के लिए कवर है, जो वाष्पीकरण के कारण होने वाले पानी के नुकसान को 30 फीसदी तक कम करता है।'

1989 में स्थापित, टेक्सेल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड एक आईएसओ 9001~2015 सर्टिफाईड कंपनी है जो तिरपाल (टरपॉलिन) और ज्योमैम्ब्रेन के निर्माण में सक्रिय है, कंपनी के पास 3 दशक से अधिक अनुभव है। कंपनी ज्योसिंथेटिक टेक्सटाईल प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज बनाती है जिनमें टरपॉलिन, ज्योमैम्ब्रेन, वरमाइब्ड, ज्योटैंक, ज्योट्यूब, ग्रो बैग्स अज़ोलाबेड तथा वॉटर प्रूफ मैम्ब्रेन शामिल हैं। हमारे प्रोडक्ट्स का उपयोग कृषि, जलकृषि, बागवानी, पशुपालन, सिविल इंजीनियरिंग, जल संचय, जल संरक्षण, आपदा राहत, भूनिर्माण, परिवहन और व्यर्थ प्रबन्धन में किया जाता है। कंपनी की मैनुफैक्चरिंग युनिट संतेज, गांधीनगर, गुजरात में स्थित है, जिसकी इन्सटॉल्ड क्षमता 9000 मीट्रिक टन सालाना है। प्रबन्धन सफलतापूर्वक कंपनी संचालन कर रहा है और नवम्बर 2016 में बीआईएफआर से पंजीकरण हटने के बाद ज़्यादा बिक्री और मुनाफे के साथ हितधारकों का भरोसा जीता है। जून 2021 में समाप्त होने वाली तिमाही के लिए प्रोमोटर होल्डिंग 40.77 फीसदी है- जो जून 2020 में 34.3 फीसदी थी। इस दृष्टि से कंपनी ने 647 बेसिस पॉइन्ट्स की बढ़ोतरी दर्ज की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)